सोमवार 05 मई 2025

सूर्योदय प्रातः 05:38 बजे

सूर्यास्त सायं 18:59 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 शादी पाकिस्तान में और नागरिकता भारत की

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंकः 199 | गाजियाबाद, सोमवार 05 मई 2025 | मूल्यः ₹ 2 | पेजः 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

निर्वाचन आयोग चुनावी सेवाओं को सुगम बनाने के लिए लाएगा एकल-बिंदु ऐप

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। एक बड़ी पहल के तहत चुनाव आयोग (ईसीआई) मतदाताओं और चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज जैसे अन्य हितधारकों के लिए एक नया उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल इंटरफेस विकसित कर रहा है। आयोग की ओर से रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि नया वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म, ईसीआईएनईटी, ईसीआई के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत और पुनर्निर्देशित करेगा। ईसीआईएनईटी में एक सुंदर यूजर इंटरफेस (यूआई) और एक सरलीकृत यूजर एक्सपीरियंस (यूएक्स) होगा, जो चुनाव से संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक ही प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। यह कदम उपयोगकर्ताओं के लिए कई ऐप डाउनलोड करने और नेविगेट करने तथा अलग-अलग लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करने के लिए भी बनाया गया है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में किसानों अहित वाले कदमों का विरोध करे भारत : माकपा

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। माकपा ने कहा है कि भारत को अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करते समय किसानों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कदमों का विरोध करना चाहिए। पार्टी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर वाशिंगटन को खुश करने के लिए स्वेच्छा से अमेरिकी आयात पर शुल्क में कटौती करने का आरोप लगाया है। वामपंथी पार्टी के पोलित ब्यूरो की बैठक के एक दिन बाद रविवार को जारी एक बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया गया कि वह इजराइल पर गाजा में युद्ध विराम घोषित करने के लिए दबाव डाले तथा वहां के लोगों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं तक 'निर्बाध' पहुंच की अनुमति दे।

मोशन पिक्चर एसोसिएशन के साथ भारत वैश्विक स्तर पर उद्योग बनाने का इच्छुक : केंद्रीय मंत्री

✷ **वेबवार्ता. मुंबई** ✷। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने मुंबई में रविवार को कहा कि भारत वैश्विक रूप से सुरक्षित रचनात्मक उद्योग के निर्माण के लिए मोशन पिक्चर एसोसिएशन(एमपीए)के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाने का इच्छुक है। केंद्रीय प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. गुरुगन मुंबई में चल रहे विश्व दृश्य-श्रव्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन, वेव्स 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एमपीए के वैश्विक नेतृत्व की प्रशंसा की और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों पर भारतीय सिनेमा के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, आरआरआर और बाहुबली जैसी फिल्मों ने साबित कर दिया है कि भारतीय कहानियां, भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे भी प्रभाव डाल सकती हैं। नीतियों, सृजन प्रोत्साहनों और मजबूत बौद्धिक संपदा संरक्षण के माध्यम से सृजनकर्ता-प्रथम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देना है।

भारत और अमेरिका में सुबह-सुबह आया भूकंप, नुकसान की खबर नहीं

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। अमेरिका और भारत के कई हिस्सों में रविवार सुबह भूकंप के झटके लगे। हालांकि अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, बार-बार आ रहे भूकंपों ने लोगों में डर का माहौल है। अमेरिका में सबसे पहले रविवार सुबह 7.17 मिनट पर तेज भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। यह भूकंप न्यू मैक्सिको के कार्लसबाद शहर से करीब 89 किलोमीटर दूर व्हाइट सिटी में केंद्रित था। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 7.5 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल की हानि की खबर नहीं है।

जम्मू-कश्मीर हाईवे पर बड़ा हादसा

सेना का वाहन गहरी खाई में गिरा, 3 जवानों की मौत

✷ **वेबवार्ता. जम्मू** ✷

जम्मू एवं कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को एक सड़क दुर्घटना में तीन जवानों की मौत हो गई। सैन्य वाहन गहरी खाई में गिर गया।

एक अधिकारी ने बताया, 'आज जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन खाई में गिर गया। तीन सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया।'

पुलिस ने घटना की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पिछले पखवाड़े से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग रामसू-रामबन खंड में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण बंद रहा है।

कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़क बह गई है। राजमार्ग की मरम्मत कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसके बाद भी 40 किलोमीटर से अधिक लंबा रामबन-रामशू खंड लगभग 300 किलोमीटर लंबे महत्वपूर्ण राजमार्ग की कमजोर कड़ी बना हुआ है।

भूमि से घिरी घाटी के लिए सेना और सभी नागरिक आपूर्ति इसी राजमार्ग से होकर गुजरती है। इस रणनीतिक राजमार्ग के अस्थायी रूप से बंद होने से घाटी में पेट्रोलियम उत्पादों, खाद्य पदार्थों आदि सहित आवश्यक वस्तुओं की कमी हो जाती है।

सड़क हादसे पर मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने जताया दुख

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रामबन में रविवार को हुए सड़क हादसे में भारतीय सेना के तीन जवानों की जान चली गई। इस हादसे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दुख जताया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जम्मू-कश्मीर के रामबन में हुई भयानक त्रासदी के बारे में सुनकर अत्यंत दुख हुआ, जहां एक वाहन दुर्घटना में भारतीय सेना के तीन जवान शहीद हो गए। हम राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं। हमारे बहादुर जवानों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं।" उन्होंने आगे लिखा, "इस वर्ष मार्च में इसी घाटी में नागरिकों से जुड़ी एक ऐसी ही घातक घटना घटित होने के मद्देनजर हम अधिकारियों से भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल उचित और पर्याप्त सुरक्षा उपाय लागू करने का आग्रह करते हैं।"

इस दुखद घटना ने दिसंबर 2024 के पुंछ हादसे की याद दिला दी है।

रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया

✷ **वेबवार्ता. कोलकाता** ✷

आंद्रे रसल (नाबाद 57), अंगकृष रघुवंशी (44) और रहमानउल्लाह गुरबाज (35) रनों की पारियों के बाद गेंदबाजों के जूझारू प्रदर्शन के दम पर कोलकाता नाइटराइडर्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 53वें मुकाबले में रविवार को राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया।

207 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। वैभव सूर्यवंशी (चार) और कुणाल सिंह राठौड (शून्य) पर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रियान पराग ने यशस्वी जायसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की। सातवें ओवर में मोईन अली ने यशस्वी को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। यशस्वी ने 21 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाये।

अगले ही ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने ध्रुव जुरेल (शून्य) और वानिंदु हसरंगा (शून्य) को बोल्ड कर राजस्थान को संकट में डाल दिया। ऐसे समय संकट के समय में शिमरॉन हेटमायर ने रियान पराग के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 92 रन जोड़ कर राजस्थान की उम्मीदों को जिंदा रखा।

16वें ओवर में हर्षित राणा ने शिमरॉन हेटमायर (29) को और 18वें ओवर में रियान पराग को आउटकर कोलकाता की मैच में वापसी कराई। रियान पराग ने आठ छक्के और छह चौके लगाते हुए (95) रनों की तूफानी पारी खेली। इसके बाद शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर आक्रामक बल्लेबाज का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत की दहलीज तक ले गये पर मैच की आखिरी गेंद पर जोफ्रा रनआउट हो गये और राजस्थान रॉयल्स निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी और एक रन से मुकाबला हार गई। जोफ्रा आर्चर आठ गेंदों में (12) रन बनाकर आउट हुये वहीं शिवम दुबे ने 14 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 25) रनों की पारी खेली। कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से हर्षित राणा, वरूण चक्रवर्ती और मोईन अली ने दो-दो विकेट लिये। वैभव अरोड़ा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे आज यहां कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स की शुरुआत खराब रही और उसने सुनील नारायण (11) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अजिंक्य राहणे ने रहमानउल्लाह गुरबाज के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में महेश तीक्षणा ने अजिक्य राहणे को आउटकर कोलकाता को दूसरा झटका दिया। राहणे ने 24 गेंदों में दो छक्के एक चौका लगाते हुए (30) रन बनाये। कोलकाता का तीसरा विकेट रहमानउल्लाह गुरबाज 25 गेंदों में (35) के रूप में गिरा। जोफ्रा आर्चर ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर अंगकृष रघुवंशी 31 गेंदों में (44) को आउट किया। रिंकू सिंह ने आखिरी छह गेंदों में (नाबाद19) रन ठोके।

डीआरडीओ ने स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण किया

✷ **वेबवार्ता. विशाखापत्तनम** ✷

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल से स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया है।

एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया कि एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट, आगरा द्वारा विकसित, एयरशिप को शनिवार को लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक इंस्ट्रूमेंटल पेलोड के साथ प्रक्षेपित किया गया। इस पर लगे सेंसर से डेटा प्राप्त किया गया है और इनका उपयोग भविष्य की उच्च ऊंचाई वाली एयरशिप उड़ानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फिडेलिटी सिमुलेशन मॉडल के विकास के लिए किया जाएगा।

उनके प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए उड़ान में इनवलप दबाव नियंत्रण और आपातकालीन अपस्फीति प्रणाली तैनात की गई थी। परीक्षण दल ने आगे की जांच के लिए सिस्टम को पुनः प्राप्त कर लिया। उड़ान की कुल अवधि लगभग 62 मिनट रही। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिस्टम के सफल पहले उड़ान-परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह सिस्टम भारत की पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को अद्वितीय रूप से बढ़ाएगा, जिससे देश दुनिया के उन कुछ देशों में से एक बन जाएगा जिनके पास ऐसी स्वदेशी क्षमताएं हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने सिस्टम के डिजाइन, विकास और परीक्षण में शामिल डीआरडीओ टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रोटोटाइप उड़ान हवा से हल्के उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफॉर्म सिस्टम को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

मोदी से मिले एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिश्तान की सीमाओं पर बढ़ते तनाव के बीच वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की कल प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के बाद एयर चीफ मार्शल सिंह की श्री मोदी के साथ मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वायु सेना प्रमुख और प्रधानमंत्री की मुलाकात के दौरान क्या बातचीत हुई इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, यह माना जा रहा है कि एयर चीफ मार्शल ने प्रधानमंत्री को वायु सेना की तैयारी और रणनीति के बारे में जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री पहलगाम आतंकवादी के हमले के बाद से ही समूचे रक्षा तंत्र और सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकार में अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ निरंतर बैठक कर रहे हैं। श्री मोदी ने अंगोला के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद कल एक बार फिर मीडिया के सामने दोहराया कि पहलगाम में आतंकवादी हमले को अंजाम देने वालों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बाइस अप्रैल को हुए इस आतंकवादी हमले में आतंकवादियों ने 26 लोगों की निर्ममता से हत्या कर दी थी।

मोदी ने हताशा में लिया जाति जनगणना पर यू-टर्न : कांग्रेस

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा जाति जनगणना का विरोध करते रहे हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी के दबाव में उन्हें इस मुद्दे पर अचानक और हताशा भरा यू-टर्न लेने को मजबूर होना पड़ा है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज यहां जारी एक बयान में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जातिगत जनगणना के मुद्दे पर एकदम अचानक और हताशा भरे यू-टर्न के पर्याप्त सबूत हैं।"

श्री रमेश ने कुछ सबूत गिनाते हुए कहा 'पिछले साल 28 अप्रैल को एक टीवी इंटरव्यू में श्री मोदी ने जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को 'अर्बन नक्सल' करार दिया था। मोदी सरकार ने 20 जुलाई 2021 को संसद में कहा था कि 'सरकार ने नीतिगत निर्णय लिया है कि जनगणना में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य किसी जाति की गणना नहीं की जाएगी।' देश की सर्वोच्च अदालत में 21 सितंबर 2021 को दाखिल हलफनामे में सरकार ने साफ कहा था-जनगणना 2021 के दायरे से किसी भी अन्य जाति की जानकारी को बाहर रखना केंद्र का एक सचेत नीतिगत निर्णय है।"

कांग्रेस नेता ने कहा, 'ऐसा करके मोदी सरकार ने उच्चतम न्यायालय से ओबीसी के लिए जाति जनगणना का आदेश न देने का स्पष्ट आग्रह किया था - "ऐसी स्थिति मे न्यायालय द्वारा जनगणना विभाग को आगामी जनगणना 2021 में ग्रामीण भारत के पिछड़े वर्ग समुदायों से संबंधित सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों को शामिल करने का कोई भी निर्देश देना अधिनियम की धारा 8 के तहत तैयार नीतिगत निर्णय में हश्तक्षेप करने के समान होगा।' उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या वह ईमानदारी से स्वीकार करेंगे कि उनकी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में जातिगत जनगणना पर अपनी नीति में आधिकारिक रूप से बदलाव किया है और क्या संसद और देशवासियों को बताएंगे कि सरकार की नीति में बदलाव की वजह क्या है और क्या अब जातिगत जनगणना करने के लिए समय सीमा तय की जाएगी।

संस्कृत का उत्थान भारत के उत्थान के साथ जुड़ा है : शाह

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत की अधिकतर भाषाओं की जननी संस्कृत ही है, इसलिए संस्कृत का उत्थान भारत के उत्थान के साथ जुड़ा है। श्री शाह रविवार को यहां 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के सामूहिक समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि संस्कृत भारती ने 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के आयोजन का एक बहुत साहसिक काम किया है। संस्कृत के ह्रास की शुरूआत गुलामी के कालखंड से पहले ही हो गई थी और इसके उत्थान में भी समय लगेगा। उन्होंने कहा कि आज देश में संस्कृत के उत्थान के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। चाहे सरकार हो, जनता हो या सोच हो, ये सभी संस्कृत और संस्कृत के उत्थान के प्रति कटिबद्ध और वचनबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि संस्कृत भारती 1981 से संस्कृत में उपलब्ध ज्ञान के भंडार को विश्व के सामने रखने, लाखों लोगों को संस्कृत बोलने और संस्कृत में प्रशिक्षित करने का काम कर रही है। दुनिया के कई महान विचारकों ने संस्कृत को सबसे वैज्ञानिक भाषा के रूप में स्वीकार किया है। अब संस्कृत के ह्रास के इतिहास को स्मरण करने की जगह संस्कृत के उत्थान के लिए काम करना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की नयी शिक्षा नीति में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर फोकस किया गया है और इसका बहुत बड़ा वर्टिकल संस्कृत है। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में अपग्रेड किया गया है। मोदी सरकार ने प्राकृत और संस्कृत में बिखरी हुई पांडुलिपियों को एकत्रित करने के लिए लगभग 500 करोड़ के बजट से एक अभियान चलाने का किया है।

पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए

500 करोड़ रूपए के आधार कोष के साथ ज्ञानभारतम मिशन की शुरूआत की गई है और हर बजट में इसके लिए एक निश्चित राशि आवंटित की जाएगी।

अब तक 52 लाख से अधिक पांडुलिपियों का डॉक्यूमेंटेशन, साढ़े तीन लाख पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है और नमामी.जीओवी.इन पर 1,37,000 पांडुलिपियां उपलब्ध कराई गई हैं। दुर्लभ पांडुलिपियों का अनुवाद और उनके संरक्षण के लिए हर विषय और भाषा के विद्वानों की टीम गठित की गई है। श्री शाह ने कहा कि संस्कृत भारती 1981 से जो काम करता आ रहा है, उसकी मिसाल ढूंढना कठिन है।

संस्कृत के उत्थान, प्रचार-प्रसार और इसमें उपलब्ध ज्ञान को संकलित कर सरल रूप में लोगों के सामने रखने में ही दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान निश्चित रूप से मिल सकता है। संस्कृत भारती ने 1981 से लेकर अब तक 1 करोड़ लोगों को संस्कृत बोलने से परिचित कराने का काम किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज यहां 1008 संस्कृत संभाषण शिविरों का समापन हुआ है। इसके तहत 23 अप्रैल से लेकर 10 दिन तक 17 हज़ार से ज़्यादा लोगों का संस्कृत से परिचय हुआ और उन्होंने संस्कृत बोलने का अभ्यास भी किया जिससे लोगों की रुचि संस्कृत में बढ़ेगी।

श्री शाह ने कहा कि संस्कृत भारत की आस्था, परंपरा, सत्य, नित्य और सनातन है। ज्ञान और ज्ञान की ज्योति संस्कृत में ही समाहित है।

हर चेहरे पर खुशहाली सरकार की प्राथमिकता : योगी

✷ **एनसीआर टुडे. लखनऊ** ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर आमजन के चेहरे पर खुशहाली लाना है। अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 60 से अधिक फरियादियों की समस्यायें सुनी और अधिकारियों को निश्तारण के निर्देश दिए।

सीएम ने कहा कि प्रदेश के हर नागरिकों के चेहरे पर खुशहाली लाना ही सरकार की प्राथमिकता है और सरकार इसके लिए पहले दिन से ही कार्य कर रही है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए इसके समय से निश्तारण के निर्देश दिए। प्रतापगढ़ के कुंडा में विगत दिनों हुई घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस घटना के आरोपियों को बख्शेंगे नहीं। वहीं दो महिलाओं ने पुलिस से संबंधित शिकायत की, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

जनता दर्शन में मड़ियाव थाना के रहने वाले एक राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की फरियाद लेकर आए थे। जिस पर मुख्यमंत्री ने नियमसंगत कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। आरटीई, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। योगी ने बच्चों को खूब पढ़ने और उज्ज्वल भविष्य का भी आशीर्वाद दिया।

गुलदार के हमले से जो बाइक सवार दो युवक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷ । थाना रेहड़ क्षेत्र के गांव कल्लूवाला फार्म मार्ग के जंगल में दो बाइक सवारों पर गुलदार ने हमला कर घायल कर दिया दोनों घायलों को पीएचसी कासमपुर गढ़ी मे भर्ती कराया दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। रविवार की सुबह साढ़े आठ बजे नन्दलाल उम्र 22 वर्षीय पुत्र कुलदीप सिंह बाइक पर सवार होकर अपने साथी अमरजीत सिंह उम्र 26 वर्षीय पुत्र मनजीत सिंह निवासी गांव फतेहपुर धारा थाना रेहड़ के साथ खाद लेने जा रहे थे। कि बाइक पर पीछे बैठे नन्दलाल पर हमला कर घायल कर दिया तथा दूसरी बाइक पर सवार गांव उमरपुर नत्थन उर्फ नारायणवाला निवासीगण प्रदीप पाल 18 वर्ष, विनित पाल 18 वर्ष,तथा बाइक पर पीछे बैठे राजकुमार 12 वर्ष पुत्र पप्पू गांव कल्लूवाला में मास्टर हरीश के यहां गन्ने की ईख छीलने जा रहे थे।कि ग्राम कल वाला फॉर्म मार्ग पर अचानक ही गुलदार ने बाइक सवारों पर हमला कर दिया बाइक पर पीछे बैठे राजकुमार के सिर सहित पैर में गुलदार ने हमला कर जख्मी कर दिया। वही शोर-शराबे की आवाज सुनकर किसानों ने बाइक सवार युवकों की जान बचाई। घायलों को पीएचसी कासमपुरगढ़ी में भर्ती कराया गया। दोनों घायलों की गंभीर अवस्था देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कपड़ा व्यापारी वरिष्ठ समाजसेवी के बड़े भाई का निधन नगर में शोक

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷ । नगर के कपड़ा व्यापारी व समाजसेवी के बड़े भाई का इंतकाल होने पर नगर में शोक की लहर दौड़ गई। खबर मिलते ही भारी संख्या में लोगों ने उनके निवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त कर नमाज ए जनाजा में शिरकत की। नगर के मौहल्ला बेगम सराय मछली बाजार निवासी प्रसिद्ध कपड़ा व्यापारी व समाजसेवी नईम इदरीसी के बड़े भाई रईस अहमद 45 वर्ष पुत्र फारूक अहमद का बीमारी के चलते रविवार की प्रातः इंतकाल हो गया। वह तीन वर्षों से पैरालिसिस बीमारी से ग्रश्त थे लगातार इलाज चल रहा था। रविवार को प्रातः जब परिजनों ने जगाना चाहा तो रईस अहमद ौत के आगोश में चले गए। तभी परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही नगर में शोक की लहर दौड़ गई। समाज सेवी नईम इदरीसी के निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। रविवार को बाद नमाज ए असर नमाज ए जनाजा के बाद रईस अहमद को बस स्टैंड कब्रिश्तान पर सपूर्द खाक कर दिया गया।

विद्युत कटौती को लेकर खांड साल बिजली घर पर किसानों का प्रदर्शन

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷ । विद्युत आपूर्ति की कटौती व बार बार बिजली ट्रिपिंग की समस्या से आक्रोशित भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के कार्यकताओं ने विद्युत उपकेंद्र खंडसाल में धरना प्रदर्शन करते हुए हंगामा किया। विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा समस्या का समाधान के आश्वासन पर किसानों ने धरना समाप्त किया। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के कार्यकर्ता विद्युत उपकेंद्र खंडसाल हुंचे जहां वे बार बार बिजली ट्रिपिंग, कटौती तथा रोस्टिंग के अनुसार विद्युत आपूर्ति न देने व अन्य विद्युत समस्या से आक्रोशित होकर धरने पर बैठ गए। किसानों का आरोप था कि विद्युत आपूर्ति की कटौती की जा रही है। साथ ही बार बार विद्युत आपूर्ति की कटौती की जा रही है और रोस्टिंग के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं दी जा रही है। जिससे भीषण गर्मी के चलते समस्या उत्पन्न हो रही है। किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। इस मौके पर किसानों ने जमकर नारेबाजी की। अधिकारियों द्वारा 3 दिन के भीतर समस्या का समाधान कराए जाने के आश्वासन पर किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। इस मौके पर न्याय पंचायत अध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार, कामेंद्र सिंह, दीपक कुमार, यशपाल सिंह, टीकम सिंह, सतीश कुमार, परवीन, जय सिंह, दीपक शर्मा, सत्यवीर सिंह, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

आर्य समाज भोजपुर खेड़ी ने प्रदर्शन कर फूंका आतंकवाद का पुतला

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷ । किरतवुर आर्य समाज भोजपुर खेड़ी के बैनर तले कुलदीप आर्य जिला प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा बिजनौर के नेतृत्व में किसान उत्सव मंडप भोजपुर प्रांगण में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में क्षेत्रीय गणमान्य लोग एकत्रित हुए, एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कुलदीप आर्य जिला प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा बिजनौर ने कहा कि आज भारत के खिलाफ आतंकवाद पाकिश्तान में फलफूल रहा इसी का जीता जागता सबूत है। पहलगांव में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पाकिश्तान के खिलाफ आज कोई ठोस कदम नहीं उठाती तो आगे परिस्थिति ओर विपरीत हो सकती है। इसलिए पाकिश्तान को सबक सिखाना जरूरी।

चालान काटने से गुस्साए ट्रक चालक ने कोटा के आरटीओ इंस्पेक्टर को कुचला

कोटा, एजेंसी।
राजस्थान के कोटा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कथित तौर पर चालान काटने से गुस्साए एक ट्रेलर ड्राइवर ने आरटीओ इंस्पेक्टर को कुचलकर मार डाला। मृतक आरटीओ इंस्पेक्टर की पहचान नरेश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात कोटा-झालावाड़ रोड दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़ी आरटीओ टीम की गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में गाड़ी के अंदर बैठे आरटीओ इंस्पेक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनका ड्राइवर भी घायल हो गया। घटना के वक्त आरटीओ की टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। यह हादसा मंडाना थाना इलाके के टोल प्लाजा के नजदीक हुआ। वहीं हादसे के बाद ट्रेलर भी अनियंत्रित होकर रोड के किनारे उतर गया। इस बीच ट्रेलर का ड्राइवर मौका पाकर फरार हो गया।

घटना की सूचना के बाद स्थानीय पुलिस के साथ आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली। रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि आरटीओ की टीम नेशनल हाईवे-52 पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान आरटीओ टीम ने कोटा से झालावाड़ की तरफ जा रहे ट्रेलर का चालान बनाया था। इससे नाराज होकर ट्रेलर का ड्राइवर ट्रेलर को वापस तेज गति से लेकर आया और आरटीओ टीम की गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश बारवाल और चालक देवेंद्र गंभीर घायल हो गए। इस हादसे में नरेश बारवाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। एसपी ग्रामीण राजेश ढाका ने बताया कि घटना के समय आरटीओ

टीम के अन्य सदस्य सड़क पर ही खड़े थे। फरार हुए ट्रेलर चालक के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि ट्रेलर चालक ने नंबर प्लेट को काला किया हुआ था। दूसरी तरफ उसमें माल भी काफी ऊंचाई तक भरा हुआ था। ओवर लोडिंग को देखते हुए आरटीओ टीम ने ट्रेलर को रोकने का इशारा किया था, लेकिन वह नहीं रुका और तेज गति से आगे चल गया। इसके बाद आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश ने उसका 15500 का ऑनलाइन चालान बना दिया। जैसे ही यह मैसेज ट्रेलर ड्राइवर के पास पहुंचा वह ट्रेलर को वापस घुमा कर लाया और आरटीओ इंस्पेक्टर सरकारी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश और चालक देवेंद्र बैठे हुए थे।

6 महीने पहले हुआ था ट्रांसफर: मृतक आरटीओ इंस्पेक्टर नरेश 6 साल पहले सरकारी सेवा में आए थे। 6 महीने पहले ही उनका कोटा में ट्रांसफर हुआ था। फिलहाल वह कोटा के कुन्हाड़ी इलाके में रह रहे थे। इस दुखद घटना के बाद कोटा जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी सहित अन्य अधिकारी मोर्चरी भी पहुंचे और मृतक आरटीओ इंस्पेक्टर के परिजनों से बातचीत कर उन्हें सांत्वना दी।

बस धमकी दी है, मारेंगे नहीं, सिंधु जल संधि पर केंद्र के फैसले को लेकर फारुख अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी।
पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को निरस्त कर दिया था। पाकिस्तान की तरफ से इस फैसले को लेकर काफी पैर पटके गए थे। अब जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने सिंधु जल संधि का जिक्र करते हुए एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली ने भले ही इस्लामाबाद को पानी बंद करने की चेतावनी दी हो लेकिन हमारा इरादा कभी भी पाकिस्तानी आम जनता को नुकसान पहुंचाने का या उनकी जान लेना का नहीं होता।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारत को गांधी का देश बताया। उन्होंने कहा, भारत, गांधी का देश है, हमने उन्हें धमकी दी है कि हम सिंधु का पानी रोक देंगे, लेकिन हम उन्हें मारेंगे नहीं। हम उनके जैसे क्रूर नहीं है.. पूर्व सरकारों पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि की जा रही थी, उस वक्त कश्मीर के लोगों को विश्वास में नहीं लिया गया था। इस संधि से सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू-कश्मीर के लोगों का ही हुआ है। एनसी के चीफ ने

सरकार सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए अपील की कि अब सरकार को यह पानी को जम्मू के लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। इतना ही नहीं फारुख अब्दुल्ला शनिवार को घाटी में आए पर्यटकों से भी मिलने पहुंचे।

पर्यटकों से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के बाद भी घाटी में पर्यटकों की आती भीड़ इस बात का सबूत है कि हमारे लोग डरे नहीं है। उन्होंने कहा, जो भी लोग घाटी में और पर्यटकों के मन में डर फैलाना चाहते थे वह हार गए हैं। आतंकवादी हार गए हैं। आज यह तय हो गया है कि आम जनता के मन में कोई डर नहीं है। स्थानीय लोग भी चाहते हैं कि अब आतंकवाद को खत्म हो जाना चाहिए।

35 साल हो गए.. 35 साल से यहां दहशत गर्दी है.. अब हम विकास चाहते हैं.. हम आगे बढ़ना चाहते हैं.. किसी दिन एक बड़ी शक्ति बनना चाहते हैं। फारुख अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के बयान को नजरअंदाज करते हुए कहा कि ऐसे बयानों को अहमियत नहीं देनी चाहिए क्योंकि अगर हम इन्हें अहमियत देंगे तो कभी भी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

केआईआईटी में मृत पाई गई नेपाली छात्रा का अंतिम संस्कार

पुरी, एजेंसी।
ओडिशा के कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) के छात्रावास में मृत पाई गई 18 वर्षीय एक नेपाली छात्रा का पुरी में शनिवार को उसके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में स्वर्गद्वार पर अंतिम संस्कार किया गया।

नेपाली परंपरा के अनुसार, मृतक लड़की के पिता श्याम प्रसाद साह ने पवित्र शहर के श्मशान घाट पर उसकी चिता को मुखाग्नि दी। छात्रा प्रिसा की मां पिंकी साह, अन्य रिश्तेदार और अखिल भारतीय नेपाली एकता समाज समिति के सदस्य, नेपाल दूतावास के कर्मचारी और जिला अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद थे।

प्रिसा के पिता ने रुंआसे गले से कहा, ''हमें यह बताया जाना चाहिए कि हमारी बेटी कैसे और क्यों मरी।'' प्रिसा के माता-पिता ने दावा किया कि उसने बृहस्पतिवार को अपराह्न तीन बजे अपनी मां से बात की थी और वह

खुश लग रही थी, तथा उन्हें रात आठ बजे उसकी मौत की खबर मिली। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रकाश चंद्र पाल ने बताया कि छात्रा के माता-पिता की सहमति के बाद एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तीन चिकित्सकों की एक टीम ने एम्स-भुवनेश्वर में शव का पोस्टमार्टम किया।

उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई है। छात्रा के माता-पिता उसकी मौत की खबर मिलने के बाद शुक्रवार रात यहां पहुंचे थे। पुलिस ने बताया कि उसने करीब 10 लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें उस छात्रावास के कर्मचारी शामिल हैं, जहां से बृहस्पतिवार शाम को उसका शव बरामद किया गया था। इस घटना के संबंध में इंफोसिटी पुलिस थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि वह छात्रा के लैपटॉप और मोबाइल फोन की जांच कर रही है। नेपाल सरकार ने इस घटना की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है।

लखनऊ की फैक्ट्री में भीषण आग, दो लोगों की मौत

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सरोजिनी नगर की स्वीटी फूड फैक्ट्री में शनिवार शाम भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस घटना में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि फैक्ट्री को भारी नुकसान पहुंचा। स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक जानमाल का नुकसान हो चुका था।

सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर, थाना प्रभारी सरोजिनी नगर, स्थानीय पुलिस टीम, पीआरबी और फायर ब्रिगेड की 15-16 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। फैक्ट्री मालिक अखिलेश के बेटे ऋतिक ने बताया कि यह बेकरी फैक्ट्री पिछले एक साल से बंद थी, लेकिन वहां वेल्डिंग का काम चल रहा था। संभावना है कि वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी से आग भड़की।

फायर ब्रिगेड और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शाम सात बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। बचाव कार्य के दौरान दो लोगों को फैक्ट्री से निकाला गया, जिन्हें तुरंत लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वेल्डिंग कार्य के दौरान चिंगारी से आग लगने की संभावना है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। सरोजिनी नगर थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है।

खेत में मिला गोमांस, पुलिस पर रिश्वतखोरी का आरोप

बेकसूर को थाने में बैठाने और 30 हजार की मांग का मामला गरमाया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना धामपुर क्षेत्र के गांव सैडी में उस समय हड़कंप मच गया जब किसान विकास कुमार के खेत में कथित रूप से गोमांस मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन दिन पहले कई लोगों को हिरासत में ले लिया था।

हालांकि, अब इस कार्रवाई पर ही सवाल उठने लगे हैं। गांव की कई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने बेकसूर लोगों को थाने में बैठा रखा है और उन्हें छोड़ने के एवज में 30 हजार रुपये की मोटी रकम की मांग की गई। एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि 'हमसे 30 हजार रुपये लिए गए, लेकिन हमारे परिवार के निर्दोष सदस्य को अब तक नहीं छोड़ा गया।' महिला ने थाना धामपुर के एक दरोगा पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस कार्रवाई में पारदर्शिता नहीं बरती गई और निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है। गांव में तनाव का माहौल है और लोग पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं।

एडीएम के नेतृत्व में वीरू वाला में अवैध खनन पर हुई बड़ी कार्रवाई

प्रशासन ने तीन पोकलेन दो डंपर किए सीज

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

तहसील नजीबाबाद के ग्राम बीरूवाला में चल रहे खनन पर एडीएम ने खनन अधिकारी को साथ लेकर बड़ी कार्यवाही करते हुए छापेमारी के दौरान खनन में लगी तीन पोकलेन दो डंफरो को पकड़कर सीज करा दिया।

इस कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कम्प मच गया। बीरूवाला स्थित गाटा संख्या 413, 414, 221, 222, 223, 218 में कफील अहमद पुत्र श्री शब्बीर अहमद निवासी ग्राम मथुरापुर मोर को खनन पट्टा स्वीकृत हुआ था।

26 अप्रैल को को उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार नजीबाबाद एवं खनन अधिकारी के नेतृत्व में छापेनारी की

गयी थी तथा पट्टे बन्द करा दिया गया था। शनिवार को एसडीएम, पुलिस क्षेत्राधिकारी, खनन अधिकारी, बिजनौर एवं तहसीलदार नजीबाबाद के नेतृत्व में पुनः छापेमारी की गयी, जिसमें खनन क्षेत्र के बाहर अनुज्ञाधारक द्वारा अवैध खनन किया जाना पाया गया, जिसके क्रम में खनन परिहार धारक द्वारा खनन पट्टे से सम्बन्धित शर्तों तथा नियमों के उल्लंघन के दृष्टिगत पट्टा बन्द कराया गया तथा मौके पर खड़ी तीन पोकलेन को सीज किया गया।

एडीएम बिजनौर के नेतृत्व में एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, नजीबाबाद, तहसीलदार तदार तथा पर्याप्त पुलिस बल की उपस्थिति में पट्टा स्थल पर छापेमारी की गयी, छापेमारी के दौरान पट्टा बन्द पाया गया। स्थल पर पट्टेधारक को निर्देशित किया गया कि वह पट्टा स्थल से कोई खनन ना करे। साथ ही अवैध खनन के विरूद्ध छापेमारी लगातार जारी है।

छापेमारी के दौरान ग्राम मथुरापुर मोर में बिना रवन्ने के दो डम्पर साधारण मिट्टी से भरे हुए पकड़कर सीज किये गये। एडीएम विनय कुमार कहा कि यदि अवैध खनन पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी।

नूंह में सरकारी स्कूल के टीचर ने दे दी जान, 8 पेज के सुसाइड नोट में 8 शिक्षकों के नाम

नूंह एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले में एक सरकारी स्कूल के टीचर ने स्कूल परिसर में जहर खाकर जान दे दी। उसके पास से मिले 8 पेज के सुसाइड नोट में 8 शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरियाणा के नूंह जिले के एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को एक शिक्षक ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मौके से आठ पेज का सुसाइड नोट मिला है। इसमें मृतक शिक्षक ने खोरी खुर्द गांव स्थित स्कूल में अपने सहकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने सदर तौरू थाने में सुसाइड नोट में नामजद आठ शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, हरियाणा के रेवाड़ी जिले के माजरा गांव निवासी जयपाल (48) खोरी खुर्द गांव के सरकारी स्कूल में जूनियर बेसिक टीचर (जेबीटी) के पद पर कार्यरत थे। नूंह पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि जयपाल और उसके कुछ साथियों के बीच स्कूल परिसर में पेड़ों की कटाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार दोपहर जयपाल ने स्कूल परिसर में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को जयपाल के पास से एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने दावा किया कि स्कूल में कुछ अनियमितताओं को ठीक करने की कोशिश करने के कारण उसे बार-बार परेशान किया गया। उसने परिसर में पेड़ों की कथित कटाई के बारे में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से भी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

छत्तीसगढ़ में और तेज होगा नक्सल विरोधी अभियान, सुरक्षाबलों ने की एक और मोर्चे पर चुनौती देने की तैयारी

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में नक्सल विरोधी अभियान और सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस और सीमा सुरक्षाबल ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पांगुड़ गांव में शिविर की स्थापना की है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 29 अप्रैल को गांव में छत्तीसगढ़ पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने संयुक्त रूप से %सुरक्षा एवं जन सुविधा शिविर% स्थापित किया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही इस साल अब तक जिले में 14 नए सुरक्षा शिविर स्थापित किए जा चुके हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां बताया कि इस शिविर का उद्देश्य क्षेत्र में नक्सल रोधी अभियान को तेज करना और सोनपुर-ढोढरीबेड़ा-मसपुर-होरादि-गारपा- कान्दुलनार-पांगुड गांवों से कोंगें-सितरम-मरोडा गांवों तक सड़क निर्माण कार्य को सुगम बनाना है, जिससे आंतरिक क्षेत्रों के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार की %नियद नेल्लनार% (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत शिविर के आसपास के गांवों में विकास कार्यों को सुगम बनाने के उद्देश्य से पांगुड़ के आसपास के क्षेत्र में सड़क, पानी, पुल, शिक्षा, चिकित्सा, मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी और अन्य बुनियादी

सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह शिविर कोंडागांव-नारायणपुर को अबूझमाड़ से सितरम और फिर महाराष्ट्र तक जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी मदद करेगा। अधिकारी ने बताया कि शिविर की स्थापना के बाद नारायणपुर जिला पुलिस और बीएसएफ ने पांगुड़ में एक दिवसीय सामुदायिक पुलिसिंग शिविर का आयोजन किया, जिसमें पांगुड़, कोगे, सितरम, बिनागुंडा, कोरोनार और वाला गांव के दो सौ से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया।

उन्होंने बताया, %ग्रामीणों ने पुलिस से कहा कि वे नक्सलवाद का समर्थन नहीं करेंगे और विकास कार्यों में सहयोग करेंगे। उन्होंने बिजली, नल का पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी मांग की, जिन्हें जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया गया।%

बता दें कि 2023 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान तेज हो गए हैं। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुताबिक केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया है। सुरक्षाबलों ने पिछली जनवरी से बस्तर क्षेत्र में कई मुठभेड़ों में 350 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 145 नक्सली मारे गए हैं।

45 साल तक चुपचाप भारत में रही पाक महिला, अब अचानक बंगाल से हुई गिरफ्तार

हुगली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चंदननगर में पुलिस ने एक पाकिस्तानी महिला फातिमा बीवी को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 45 सालों से भारत में रह रही थीं। मूल रूप से पाकिस्तान के रावलपिंडी की रहने वाली फातिमा 1980 में अपने पिता के साथ पर्यटक वीजा पर भारत आई थीं और उसके बाद चंदननगर में एक बेकरी मालिक मुजफ्फर मलिक से शादी कर ली थी।

उसके परिवार में अब दो बेटियां हैं, जो दोनों शादीशुदा हैं। पुलिस के मुताबिक, फातिमा 1980 में भारत आई थीं, लेकिन एक साल बाद ही वह लापता घोषित कर दी गईं और तब से वे यहां रह रही थीं। हाल ही में केंद्र सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया, जिसके बाद फातिमा के बारे में जानकारी जुटाई गई और उसे शनिवार को चंदननगर के कुथिर मठ इलाके में उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। चंदननगर पुलिस आयुक्तालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फातिमा की वापसी को लेकर अब औपचारिक प्रक्रिया शुरू की जाएगी ताकि उन्हें पाकिस्तान भेजा जा सके। वहीं दूसरी ओर, परिवार ने इस गिरफ्तारी पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि फातिमा की उम्र अब 60 साल हो चुकी है, उन्हें नियमित इलाज की जरूरत है और जल्द ही घुटनों की सर्जरी भी होनी है। परिवार का दावा है कि फातिमा का जन्म यहीं पश्चिम बंगाल में हुआ था।

नकली जेवरात देकर 3 लाख रुपये ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर के शोभापुर निवासी महिला से तीन लाख रुपये लेकर नकली जेवर देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर शनिवार रात पुलिस ने दो ज्वेलर्स पर रिपोर्ट दर्ज की है। गांव शोभापुर निवासी लक्ष्मी त्यागी ने बताया कि मुरादनगर स्थित राधिका ज्वेलर्स से सन 2021 में सोने की तीन चेन और मोती की माला बनवाई थी। इसके लिए तीन लाख रुपये दिए थे। कुछ दिन पहले जेवरात के रंग उतर गए। जांच कराने पर जेवर नकली निकले। दोनों आरोपी भाई दुकान बंद कर भाग गए। आरोपियों पर पहले भी रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि रोहन वर्मा और रोहित वर्मा निवासी मुरादनगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया है।

किशोरी घर से जेवरात और नकदी लेकर लापता

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी घर से जेवरात और नकदी लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी पुत्री शुक्रवार को रखे लाखों रुपये की कीमत के के जेवरात और कुछ नकदी लेकर गायब है। काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश की जा रही।

मकान से गहने और नकदी चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी बार्डर थानाक्षेत्र में बदमाशों ने मकान में घुसकर गहने, नकदी व मोबाइल समेत लाखों की चोरी कर ली। घटना एक सप्ताह पुरानी है, जिसमें शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। परमहंस विहार कालोनी निवासी राकेश कुमार ने बताया कि वह सोमवार बाजार स्थित एक मकान में किराए पर रहते हैं। वह एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। एक सप्ताह पहले वह परिवार के साथ घर पर सो रहे थे। आरोप है कि देर रात चोरों ने घर से 22 हजार रुपये, एक जोड़ी कान के कुंडल, दो मोबाइल व बच्चे का स्कूल बैग चुरा लिया। सुबह जागने पर उन्हें घटना का पता चला। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है। जेपीए अंकुर विहार अजय कुमार का कहना है कि पीड़त की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मारपीट के मामले में दो लोगों के खिलाफ केस

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर की भूपेंद्रपुरी कॉलोनी में रहने वाले विनय कुमार सिंचाई विभाग में सींचपाल के पद पर कार्यरत हैं। विनय कुमार का आरोप है कि कॉलोनी में ही रहने वाले दो युवक रविवार को जबरन उनके घर में घुस आए और मारपीट करने लगे। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपी धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दुष्यंत और सोनू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकर विकास समिति द्वारा धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। अंबेडकर स्मारक में अंबेडकर विकास समिति द्वारा धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता पूर्व विधायक सतीश गौतम ने की तथा संचालन सचिव चंद्रपाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में अंबेडकर शोभायात्रा एवं समिति के आय व्यय का ब्यौरा दिया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सतीश गौतम ने समिति के सभी सदस्यों एवं अतिथियों को पगड़ी पहनकर सम्मानित किया एवं सफल कार्यक्रम के लिए आभार जताया। समिति के फाउंडर मेंबर भाजपा नेता रोहित रवि ने पूरी कोर कमेटी एवं नगीना अंबेडकर समाज एवं सर्व समाज के सभी साथियों का सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आगे भी हर वर्ष इसी प्रकार बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा पूरे हर्षोल्लास के साथ व जन मानस के प्रेम के साथ निकलती रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक सतीश गौतम,चंद्रपाल सिंह, रोहित रवि, कोमल सिंह, एड. बलराम सिंह, राजेंद्र सिंह, सिंघानिया, गोपाल सिंह, राजकुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार, एडवोकेट रविकांत, नरेश कुमार,रोहित कुमार, विक्रम बौद्ध, सुनील कुमार, विक्रांत सिंह, ओमप्रकाश अमीन, मदनपाल सिंह, सभासद राकेश कुमार, अश्विनी कुमार, सूर्यकांत गौतम, अवनीश कुमार एवं अंबेडकर समाज के साथी उपस्थित रहे।

मस्जिद के गोदाम में अज्ञात कारणों से लगी आग

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। मोहल्ला शेखान घास मंडी में मस्जिद के गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई। पास में काम कर रहे मजदूरों ने घुंआ उठता देख लोगों को बताया। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग नहीं बुझी। सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड ने बामुश्किल आग पर काबू पाया। मस्जिद के मुतवल्ली लईक अहमद अम्मू ने बताया कि आग से गोदाम में रखी लकड़ी, उपले, सीमेंट के दस कट्टे, पूरानी एसी तथा अन्य पुराना सामान जलकर खाक हो गया। बताया कि गोदाम में बिजली आदि का कनेक्शन नहीं है। आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है।

कुवर राहुल ने किया कार वर्कशॉप का उद्घाटन

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷। नगर स्थित पेट्रोल पंप के निकट एक कार वर्कशॉप का उद्घाटन हुआ है। नगर के मौहल्ला खेड़ा निवासी डॉ दिनेश कुमार चौहान ने नगर स्थित पेट्रोल पंप के निकट अपने निज प्रतिष्ठान पर इंडियन कार वर्कशॉप खोली है। जिसका उद्घाटन नगर के कुंवर राहुल सिंह एवं डॉ अनिसुर्रहमान सिद्दीकी मिस्त्री मैराज नहटौरी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया ।इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र के दर्जनों सम्मानित लोग शामिल हुए। बोबी कुमार, हारून फरीदी, गुड्डु हक्कानी, राजकुमार (राजू) हरिराज सिंह, मिस्त्री सुनील आदि दर्जनों लोग शामिल रहे।

पुलिस की मनमानी को लेकर राष्ट्रीय विकलांग संगठन का टूटा सब्र

15 को होगा एसपी आफिस पर प्रदर्शन

थाना प्रभारी व दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने तक भूखा रहेंगे जिलेभर के विकलांग

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

लगातार विकलांग/दिव्यगो पर अत्याचार व उत्पीडन से आहात राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने अब कमर कस ली है। वो कताई नहीं चाहते की उन्हें विकलांगों को साथ लेकर कहीं भी प्रदर्शन करना पड़े लेकिन जुल्म हद से बाहर होता जा रहा है।

किसी ना किसी रूप में विकलांगों/दिव्यगो का उत्पीड़न हो ही रहा है। स्योहारा के थाना प्रभारी अमित कुमार पुलिस की वर्दी का नाजायज लाभ उठा रहे हैं। किसी भी सम्मानित अधिवक्ता हो या पत्रकार, व्यापारी हो या सीनियर सिटीजन सब इन महाशे के उत्पीड़न के शिकार हो चुके हैं। कानून को ताख में रखकर अपनी दबंगई के भरौसे जुल्म की सभी हदें पार कर रहे अमित कुमार ने अपने थाने में तैनात एसआई राजेश कुमार के साथ मिलकर दोनों पांव से अपाहिज आज़म के साथ ना केवल गाली गलौज की गई ।बल्कि उसके साथ मारपीट करते हुए जुल्म की सभी हदें पार कर दी।

उसका कसूर सिर्फ इतना था की अपने विकलांग साथी की व्यथा लेकर वह थाने पहुंचा था। थाना प्रभारी अमित कुमार के जुल्मो के शिकार लोगों के सब्र का बाध अब टूट गया है। स्योहारा में भारी आक्रोश है, इस मामले को लेकर अब राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

एसोसिएशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया है कि संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी मोहम्मद आजम पुत्र निजामुद्दीन जो दोनों पैरों से विकलांग है एक दिव्यांग की समस्या लेकर जिसका नाम नकुल है थाने गया था। स्कूटी से थाने में दरोगा राजेश कुमार द्वारा उसके साथ गाली -गलौज, मां बहन की गंदी-गंदी गाली दी गई, और मारपीट की गई। इसकी शिकायत दिव्यांग ने थाना प्रभारी अमित कुमार से की तो थाना प्रभारी ने भी उसको मां बहन की गंदी-गंदी गालियां दी, और कहा तेरे दोनों पैर तो खराब है ही तेरे दोनों हाथ और तोड़ दूंगा।

किसी काम का नहीं छोडूंगा और इतने मुकदमें लगाऊंगा तेरे और तेरे परिवार पर, तू जिंदगी भर जेल में सड़ता रहेगा। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन यह कतई अपमान बर्दाश्त नहीं सहेगी। चाहे इसके लिए हमें 15 मई को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर जाएंगे और इसके लिए चाहे हमें गोली खानी पड़े जेल जाना पड़े हम तैयार हैं। लेकिनअधिकारियों की तानाशाही पूर्ण रवैया तथा दिव्यांग के साथ स्योहारा के थाना प्रभारी अमित कुमार व दरोगा राजेश कुमार के द्वारा मारपीट गाली गलौज अभद्र व्यवहार के खिलाफ पुलिस अधीक्षक का घेराव कर वही पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। एक ज्ञापन जिलाधिकारी बिजनौर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला बिजनौर के पुलिस अधिकारीगण अपने कार्य प्रणाली में सुधार लाएं।

दिव्यांगों तथा गरीबों को जो हीन भावना से देखते हैं इग्नोर करते हैं। और उनका उत्पीड़न करते हैं वह बंद करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने सभी दिव्यांग, वृद्ध,विधवा,महिला,युवा गरीब वर्गो से अपील कि 15 मई को सुबह 9: बजे इंदिरा बाल भवन बिजनौर में अधिक से अधिक संख्या मे पहुंचकर धरना प्रदर्शन को सफल बनाएं। जनपद बिजनौर में जो तानाशाही पुलिस अफसरों की चल रही है। उसके विरुद्ध आवाज़ उठाएं।

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने कहा कि जब तक स्योहारा थाना प्रभारी व दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर करवाई नहीं होती, तब तक हम अनिश्चितकालीन धरना, भूख हड़ताल पर रहेंगे। उन्होंने यह भी चेताया है कि हमारा संगठन पीड़ित आज़म को इंसाफ दिलाने के लिए किसी भी श्तर तक जा सकता है यह बात सभी अच्छे से समझ ले। इसकी समस्त जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

वरिष्ठ अधिकारियों की क्या मजबूरी, खाकी हो रही दागदार

थाना प्रभारी अमित कुमार की दबंगई हर रोज किसी ना किसी रूप में देखने को मिल रही है। वर्दी को कलंकित करने वाले अमित कुमार की वजह से लोगों का पुलिस पर से विश्वास उठ रहा है। पत्रकारो को गाली-गलौज का आडियो वायर होने और कई अन्य विवादों के मामले में घीरे रहने वाले अमित कुमार व राजेश कुमार पर वरिष्ठ अधिकारियों की तरह से न्याय संगत कोई कार्यवाही ना होना जिलेभर में अधिकारियों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है।

ढाई वर्ष में कैंसर से 18 लोगों की मौत होने से ग्रामीण भयभीत

तालाब का दूषित पानी को मान रहे ग्रामीण कैंसर के लिए बड़ा कारण

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

गांव नरगदी गंधू में स्थित तालाब के 100 मीटर के दायरे में ढाई वर्षों में कैंसर की बीमारी से 18 मौत होने के बाद 15 दिन पूर्व एक और अन्य महिला की मौत हो जाने पर ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा हो गया।

सूचना मिलने पर शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मृतका के घर पहुंच कर जानकारी ली और ग्रामीणों को कैंसर की स्वास्थ्य शिविर बीमारी के लक्षण व बचाव की जानकारी दी। उधर ग्राम प्रधान की ओर से तालाब का पानी निकलवाया जा रहा है। नहटौर क्षेत्र के गांव नरगदी गंधू में कैंसर की बीमारी से ढाई वर्ष में 18 लोगों की मौत हो चुकी है। ग्राम प्रधान पति आबिद अंसारी कैंसर की बीमारी से ग्रश्त है।

गांव में तालाब के दूषित पानी से कैंसर की बीमारी फैलने की शिकायत ग्राम प्रधान पति आबिद अंसारी ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण में की थी। इसके बाद यह मामला सुर्खियों में आया था और जिला श्तर की टीम गांव में पहुंची थी और उन्होंने तालाब के पानी आदि की जांच कराई। तालाब में गांव का पानी की निकासी पर रोक लगाई गई है। ब्लॉक ने करीब 100 मीटर नाले का निर्माण भी कराया है।

जबकि जल निगम द्वारा गाजियाबाद की लैब में कराए गए तालाब के पानी की जांच में पानी दूषित नहीं पाया गया है। 13 अप्रैल को गांव निवासी महिला किशन देई 65 वर्ष पत्नी विशंभर सिंह की अचानक मौत होने पर गांव में दहशत फैल गई। इसकी सूचना मिलने पर शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची। चिकित्सा प्रभारी डॉ. आशीष आर्य, डॉ. आमिर, डॉ. अनम सहित स्वास्थ्य कर्मियो ने पंचायत घर में एक स्वास्थ्य शिविर लगाया। मृतका के घर पहुंच कर उसकी मौत के बारे में जानकारी जुटाई।

इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को कैंसर की बीमारी से संबंधित जानकारी दी और कोई भी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने के लिए कहा गया। चिकित्सा प्रभारी डॉ. आशीष आर्य ने बताया कि गांव में किशन देई की मौत होने का पता चला था। उसकी मौत हृदय गति रुकने से हुई है। गांव में स्वास्थ्य कर्मियों को घर-घर जाकर कैंसर की बीमारी के बारे में जानकारी दी गई है। ग्राम प्रधान आबिद ने बताया कि तालाब के 100 मीटर के दायरे में कैंसर से अधिकांश मौत हुई हैं। तालाब में मछली पालन हो रहा था।

पट्टे की समय अवधि पूरी होने पर पट्टा समाप्त हो चुका है। आगे मछली पालन का पट्टा नहीं किया जाएगा। खंड विकास अधिकारी के निर्देश पर तालाब के पानी को निकलवाया जा रहा है और गांव के पानी की निकासी रोक दी गई है। गांव के पानी निकासी बनाए गए नाले में की गई है।

बेखौफ गरीबों का उत्पीड़न करने में लगा नाम चिन सराफ का बेटा

मोटे ब्याज की आड़ में बुरी तरह मजबूर गरीबों को बान्ध रहा है सूदखोर

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

नगर के नामचिन सर्राफा संतोष अग्रवाल के बेटे अनुभव अग्रवाल ने नगर क्षेत्र के लोगों को महंगे ब्याज दर पर रुपए देने का कारोबार बड़े जोरों शोरो पर कर रखा है।

ब्याज पर रुपए देने के नाम पर वह लोगों से चेक आईडी घर के पेपर आदि रखकर हजारों से लेकर लाखों रुपए बांटते हैं ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है कि नगर क्षेत्र की क़रीब दो दर्ज से अधिक महिलाओं को तरह तरह का लालच देकर उनके बैंक चैक, आईडी व घर के कागजात घरेलू सामान रखकर व अपने रुपये वापस लेने का तरीका बिल्कुल फ़िल्मी स्टाईल में उनकी स्कुटी छीनकर अपने रुपये वसूलकर कोलर खड़ा करके नए अंदाज़ में घूमते हैं।

नगर के मोहल्ला काजी सराय निवासी तबस्सुम पत्नी स्व. नौशाद अहमद ने तहसील दिवस में पुलिस

क्षेत्राधिकारी को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि नगर के नामचीन सर्राफा संतोष अग्रवाल के बेटे अनुभव अग्रवाल पर स्कूटी छीन कर ले जाने, तथा करीब 1 लाख 74 हजार रुपये चेक द्वारा निकाले जाने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

शनिवार को तहसील दिवस में अनुभव अग्रवाल निवासी केनरा बैंक के सामने नगीना महिलाओं को ऋण दिलाने का कार्य करता है, तथा कोरे बैंक चैक पर साइन करा कर लेता है और 7 प्रतिशत ब्याज पर ऋण देता है इस प्रकरण में अनुभव अग्रवाल ने 2 मई 2025 को स्टेट बैंक शाखा से 1 लाख 74 हजार रुपये बिना सूचना दिये बैंक से हैकर स्टाइल में निकाले है।

पीड़िता महिला जब इसकी जानकारी करने उसके घर पर गई बने ऑफिसनुमा शोरूम पर तो अभद्रता और गाली गलौज की और पीड़िता महिला की एक्टिवा स्कूटी जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या यूपी 20 बी.आर. 4112 बी, छीन कर रख ली और महिला को धमकी दी कि अगर तू यहाँ कहीं आस पास दिखाई दी तो जान से मारने की धमकी देते हुए गुंडों से मरवाने को भी कहा उधर पीड़िता तबस्सुम ने अपनी स्कूटी वापस दिलवाने की मांग करते हुए इन दबंग क़स्मि के लोगों के विरुद्ध नगीना पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की है तथा बैंक से निकाले गए 1 लाख 74 हजार रुपये भी वापस दिलवाने की भी गुहार लगाई है।

बिजनौर में परशुराम जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

रामलीला मैदान से शहनाई मंडप तक भीड़, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाया भगवान का जयकारा

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आज विशाल शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा रामलीला मैदान से प्रारंभ हुई। इसमें हजारों की संख्या में ब्राह्मण समाज के लोगों ने भाग लिया। शोभायात्रा में भगवान परशुराम का रथ मुख्य आकर्षण रहा। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। डॉक्टर मदन मोहन चौराहा, सुदामा पार्क और गणेश चौक से होते हुए बाजार शंभा तक पहुंची। फिर घंटाघर, सदर बाजार और डाकघर चौराहे से होकर नगर पालिका चौराहा पहुंची।

अंत में सिविल लाइन और शास्त्री चौक से होते हुए जजी मार्ग स्थित शहनाई मंडप पर समाप्त हुई। बैंड बाजों से निकलती धार्मिक धुनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। परशुराम के वंशज फरसे लेकर जयकारे लगा रहे थे। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

इस यात्रा की तैयारियां कई दिनों से चल रही थीं। ब्राह्मण समाज के लोगों ने घर-घर जाकर समाज के सदस्यों को आमंत्रित किया था। शोभायात्रा में कई राजनीतिक नेता व मुकुल शर्मा रोहित भारद्वाज हनी देवदीप लकी पंडित आकाश मोहित साहित्य विहार खिलेंद्र भारद्वाज अवनीश आशु यस अंकुश संदीप दीपक सुमित अनूप मंडिया उदित वाले का बताओ विवेक शिवम प्रदुमन पीयूष पंडित नारायण शामिल हुए।

होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की 85 बीघा भूमि मे से दर्जनों बीघा भूमि पर ग्रामीणों ने किया अवैध कब्जा

एनसीआर टुडे. नगीना। राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की बेशकीमती 80 बीघा आराजी पर ग्रामीणों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लेने की भाजपा नेता की शिकायत पर मुरादाबाद से आई जांच टीम ने मौका मुआयना कर ले गई ।इस आराजी पर बढ़ापुर भाजपा विधायक ने आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र 50 बेड का प्रश्ताव बनाकर शासन को भेजा था।

लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। क्षेत्र के ग्राम तिगरी मनका वाला निवासी चौधरी मथुरा सिंह ने क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य लाभ दिलाने एवं बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए 1964 मैं अपनी 85 बीघा से अधिक जोत की भूमि मैं राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना कराने के साथ-साथ जनता इंटर कॉलेज की भी स्थापना की थी, तथा अस्पताल और कॉलेज के नाम उपरोक्त भूमि दान दी थी जो होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का नाम से खतरा खतौनी में भी दर्ज है।

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के रहते उपरोक्त आराजी की देखभाल और रखरखाव होता रहा लेकिन वर्ष 1992-93 मैं प्रदेश में भाजपा की सरकार के रहते इस होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज को मुरादाबाद के होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज से संबद्ध होने और सारा स्टाफ चले जाने के कारण यह आराजी और मेडिकल भवन एकदम लावारिस होने से जहां भवन जर्जर और गिरोह अवस्था में पहुंच गया है वही राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नाम आराजी पर ग्राम मझेड़ा शकरु वे आसपास के मिले-जुले ग्राम के एक ही वर्ग विशेष उसके लोगों ने अवैध रूप से मकान दुकान और धार्मिक स्थल अस्थल का निर्माण करा कर बलपूर्वक अवैध रूप से कब्जा कर लिया है जिसकी कोई आवाज उठाने वाला नहीं होने के कारण ग्रामीण लगभग 80 बीघा भूमि पर का बीज हो गया है जिनके सामने कोई बोलने की हिम्मत भी नहीं जुटा रहा है।

बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों से छीने मोबाइल

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

बाइक सवार बदमाश शहर में एक बार फिर से सक्रिय हो गए हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्र में बदमाशों ने दो लोगों के मोबाइल छीन लिए। बदमाशों ने पीड़ितों को धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया।

पीड़ितों ने मामले की शिकायत संबंधित थाने की पुलिस से की है। एक्सप्रेसवे थाने में दी शिकायत में प्रयागराज के करछना निवासी सुनील कुमार शुक्ला ने बताया कि वह शनिवार को सेक्टर-135 स्थित एक होटल में ठहरे थे। सुबह आठ बजकर 20 मिनट पर सुनील होटल से वाजिदपुर गांव स्थित अपने कमरे पर पैदल जा रहे थे। जैसे ही वह श्रीराम मिलेनियम स्कूल के पास पहुंचे तो पीछे से एक बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

मोबाइल के कवर में सुनील ने 800 रुपये और निजी बैंक का एटीएम कार्ड रखा था। बदमाशों ने सुनील को धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों

के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा फेज वन थाने में दी शिकायत में दिल्ली के न्यू अशोक नगर निवासी शिव शक्ति कुमार ने बताया कि दो मई को रात 12 बजे के करीब वह सेक्टर-1 से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से बाइक सवार बदमाश आया और उनका मोबाइल झपटकर फरार हो गया।

पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग घटनास्थल पर एकत्र हुए लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। पुलिस का दावा है कि बदमाशों के बारे में अहम जानकारी मिल गई है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लूट के मोबाइल को बरामद किया जाएगा।

महिला की जमीन पर कब्जा करने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

बिसरख कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गांव मिल्क लच्छी निवासी एक महिला ने जमीन पर जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता राधा शर्मा ने बताया कि मुकेश शर्मा व उसका पुत्र अक्षित शर्मा उनके मकान के मेन गेट का ताला तोड़कर जबरन अंदर घुस आए और मारपीट की। आरोपियों का न तो जमीन से कोई संबंध है न ही वे किसी कानूनी दश्तावेज में हिस्सेदार हैं।

बावजूद वह जबरदश्ती उनकी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीछे की ओर बनी एक अवैध कॉलोनी के बिल्डर राहुल नागर ने भी इन दोनों के साथ मिलकर साजिश रची है। कॉलोनी के राश्ते की वैधता खत्म होने पर अब बिल्डर और उसके साथी जबरदश्ती राश्ता निकालने के लिए महिला की निजी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता ने इस संबंध में 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी और अपने पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

मोबाइल हैक कर पौने दो लाख से अधिक की खरीदारी

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

साइबर अपराधियों ने एक सप्ताह पहले कंपनीकर्मी का मोबाइल फोन हैक कर 1.82 लाख रुपये की खरीदारी कर ली। ठगी की रकम से पश्चिम बंगाल के कोलकाता में सामान मंगाया गया।

बैंक से सूचना मिलने पर पीड़ित ने फेज-2 थाने में केस दर्ज कराया। सेक्टर-49 में रहने वाले बलदेव राज पंत ने पुलिस को बताया कि वह एक सेल्स कंपनी में काम करते हैं। उनके पास एसबीआई और एक्सिस बैंक के चार क्रेडिट कार्ड हैं। उन्होंने कार्ड को फ्लिपकार्ट अकाउंट में सेव किया हुआ है। वह 27 अप्रैल को बस में कहीं जा रहे थे। उनके मोबाइल पर बैंक स्टाफ का फोन आया।

बैंककर्मी ने लगातार ट्रांजेक्शन होने के बारे में जानकारी दी और धोखाधड़ी होने की आशंका जताई। बलदेव ने अपना मोबाइल और ई-मेल देखा तो दूसरे नंबर पर छह मैसेज पड़े थे।

ठगों ने एसबीआई के दो कार्ड से 45 हजार और 50 हजार रुपये, एक्सिस बैंक के दो कार्ड से चार बार में 22-22 हजार के तीन और एक बार में 20 हजार रुपये की खरीदारी की हुई थी।

उन्होंने कस्टूमर केयर पर बात करके कार्ड को बंद कराया। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने किसी के साथ कोई ओटीपी और एसएमएस की जानकारी साझा नहीं की। साइबर अपराधियों ने उनके खाते से मोबाइल और सामान खरीदा।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर आईटी सेल द्वारा जांच की जा रही है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी का मुद्दा छाया रहा

दो महिलाओं ने चित्तौड़गढ़ चौकी प्रभारी दरोग़ा के विरुद्ध शिकायत कर कार्रवाई करने व न्याय की गुहार लगाई है

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

संपूर्ण समाधान दिवस में 41 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें एक भी शिकायत का निश्तारण मौके पर नही हो सका। एसडीएम ने समाधान दिवस में आई शिकायतों का निश्तारण समय से करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।

उधर एक महिला ने अपने बेटे को विदेश भिजवाने के नाम पर लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये गांव के एक व्यक्ति के कहने पर एजेंट इकबाल को दे दिए थे लेकिन महिला ने अपने साथ धोखाधड़ी होता देख उससे अपने रुपये वापस मांगे तो उस एजेंट ने दोनों ग़रीब माँ बेटे को जान से मारने की धमकियां देने लगा पीड़ति महिला व उसके बेटे ने पुलिस में उसके विरुद्ध थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग व अपने रुपये वापस दिलवाए जाने की नगीना पुलिस से गुहार लगाई जहाँ पीड़ित महिला थाना प्रभारी निरीक्षक के आदेश पर अपनी शिकायत के बारे में जानकारी करने पहुंची तो मौजूद चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी में तैनात गजेंद्र उज्ज्वल सिंह ने महिला के साथ अभद्रता कर उसे कहा कि में तेरा कोई अमीन और तेरे बाप का नौकर नहीं हूं जो तेरे पैसे दिलवाने जाऊं इसी के साथ कहा कि अगर में वहाँ पर जाऊंगा तो वहाँ जाने का पैट्रोल खर्च और मेरा खर्चा तेरा बाप देगा।

इस पर ग़रीब महिला मासूमियत भरा चेहरा लिए अपने घर को वापस लौट आई और चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी दरोग़ा द्वारा महिला के सम्मान के साथ अभद्रता करने व गली गलौज करने वाले दारोगा गजेंद्र उज्ज्वल सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाने व पीड़ति के साथ हुई अभद्रता व सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले दारोगा के खिलाफ पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ अंजनी कुमार चतुर्वेदी को तहसील दिवस में शिकायत देकर कार्रवाई करने न्याय की गुहार लगाई है।

चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी प्रभारी बने दारोगा गजेंद्र उज्ज्वल की पुलिसगिरी का दूसरा मामला पीड़ति अशोका देवी पत्नी सुशील कुमार निवासी मोहल्ला आज़ाद कॉलोनी लाइनपार ने शनिवार को तहसील दिवस में पुलिस क्षेत्राधिकारी से शिकायत कर आरोप लगाया है कि पीड़िता महिला की नाबालिग पुत्री के साथ हुए बलात्कार के मामले में जानकारी करने इन साहब प्रभारी बने दरोगा के पास चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी पहुंची जहां मौजूद दरोगा ने पीड़िता महिला के साथ अभद्रता करते हुए चौकी से गाली गलौज व बुरा भला बोलकर धक्के मार कर बाहर निकाल दिया और जाते-जाते कहा कि तेरा यही काम है और तेरी बेटी का भी यही काम है इस पर पीड़िता महिला मासूमियत भरा चेहरा लिए वहां से उल्टे पैर वापस लौट गई दरोग़ा की इन हरकतों से क्षुब्ध व परेशान होकर महिला शनिवार को तहसील दिवस में शिकायत लेकर पहुंची कि मेरी पुत्री के साथ हुए बलात्कार के मामले में आरोपी पक्ष के लोग फैसला करने की धमकी देकर दबाव बना रहे हैं।

बोल रहे हैं कि अगर तूने फ़ैसला नहीं किया तो हम तेरे परिवार को जान से मार देंगे। इसी के साथ पीड़िता महिला ने अपने साथ अभद्रता व सम्मान को ठेस पहुचाने वाले दारोगा की पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी से शिकायत कर उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने व न्याय की गुहार लगाई है।

संपादकीय

स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र

आतंकवाद का जहर समूचे देश में फैल चुका है। चौराहों से लेकर चौपालों तक चर्चाओं का बाजार गर्म है। पाक प्रायोजित पहलगाम हमले ने राष्ट्र भक्त नागरिकों को आंदोलित कर दिया है। धर्म पूछकर की गई हत्याओं ने इस्लाम के मंसूबे जाहिर कर दिये हैं। देश के अंदर रहने वाले मीर कासिम की तरह गद्दार भी अब घडियाली आंसू बहाकर उत्तेजनात्मक बयानबाजी करके अपने को हिन्दुओं का शुभचिन्तक घोषित करने की होड में लगे हैं।

हिन्दुस्तान के स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र भी उजागर होने लगा है। सूत्रों की मानें तो कश्मीर घाटी के बाद अब केदार घाटी में भी नापाक इरादों को कामयाब करने के लिए छद्मभेषधारियों की जमातों ने आमद दर्ज कर ली है। उत्तराखण्ड में प्रारम्भ हो चुकी तीर्थ यात्रा में जहां केदारनाथ और यमुनोत्री में फर्जी दस्तावेजों के आधार अनेक आतंकियों व्दारा घोडेवाले के रूप में पंजीकरण तक करवा लिया है वहीं यात्रा मार्ग में अनेक बाहरी लोगों ने दुकानें खोलकर व्यवसायी का चोला ओढ लिया है।

उल्लेखनीय है कि विगत कुछ वर्षों में ही उत्तराखण्ड की धरती पर हजारों मजारें बना लीं गई है, सैकडों मस्जिदें तैयार हो गईं हैं, मदरसों ने आकार ले लिया है। अचानक आई मुस्लिम आबादी की बाढ से वहां का सामाजिक ढांचा तक तहस-नहस होता दिख रहा है। देवभूमि में इन दिनों अनगिनत मांस की दुकानें, कसाईखाने और अनजाने लोगों की बसाहट देखी जा सकती है। एक सर्वे में पता चला है कि वहां पर मुसलमानों में नाम बदलने का एक फैशन चल निकला है। अनेक दस्तावेजों में हिन्दू नाम वाले व्यक्ति की बल्दियत मुस्लिम नाम के साथ जुडी है। पंकज पुत्र मोहम्मद सलीम जैसे नामों वाले दस्तावेज बनाये जा रहे हैं जो आगे चलकर सुनील पुत्र पंकज के रूप में स्वतः परिवर्तित हो जायेंगे। पहचान छुपाकर बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों का सिलसिला तो दसियों साल से चल रहा है। लम्बे समय से तीर्थ यात्रा कराने वाली एक कम्पनी के पुराने नुमाइंदे के अनुसार इस बार की उत्तराखण्ड यात्रा में तीर्थ स्थलों पर दुकानों से लेकर सेवायें देने वालों तक में अनजान चेहरों की भरमार है। यह लोग पहले कभी नहीं देखे गये।

बहुत कम बोल वाले इन लोगों की भाषा भी क्षेत्रीय नहीं है किन्तु अनेक स्थानीय लोग इनके संरक्षक बने हुए हैं। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में वे ही आगे आकर मोर्चा सम्हालते हैं और साम्प्रदायिकता का रंग देकर विरोध दर्ज करने वालों पर हावी हो जाते हैं। अभी तो यात्रा शुरू हुई है। आने वाले दिनों में इन अनजान लोगों की कारगुजारियां सामने आने की संभावना है। ऐसे ही स्थिति का खुलासा अनेक स्थानीय व्यवसायियों ने भी किया है।

सरकारी व्यवस्था के समानान्तर कम दामों में बेहतर सुविधायें देने का वायदा करने करने वाले अनेक संदिग्धों का तीर्थों में जमघट लगा है। पहले भी सीमापार से आने वाले आतंकियों ने देश के अनेक महानगरों को बम धमाकों से दहलाया था, निर्दोषों की जानें लीं थीं और फैलाई थी दहशत। इस बार धरती के स्वर्ग कश्मीर के बाद अब देवभूमि उत्तराखण्ड को रक्त रंजित करके गजवा-ए-हिन्द का एक बार फिर ऐलान करने के मंसूबों की जानकारी मिल रही है। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तीर्थयात्रियों के रूप में पंजीकरण भी करवाया है, घोडावान के रूप में भी रजिस्टर्ड हुए हैं और गरीब बनकर छोटी-छोटी दुकानें भी लगा लीं हैं।

सघन जांच होने, संदिग्धों की पडताल होने और कार्यवाही होने पर साम्प्रदायिक रंग देने की सभी तैयारियां भी पूरी कर लीं गईं है जिनमें अनेक खद्दरधारियों, काले कोटधारियों, कथित बुध्दिजीवियों, बनावटी समाजसेवियों, दबंग प्रभावशालियों की सक्रिय भूमिकायें निर्धारित हो चुकी हैं। कार्यपालिका के एक बडे वर्ग की लापरवाही और मनमानियों से तैयार होने वाले दश्तावेजों की आड में राष्ट्रदोहियों की जमातें निरंतर तैयार हो रहीं हैं। अहमदाबाद हो या पश्चिम बंगाल, मणिपुर हो या मिजोरम, केरल हो या कर्नाटक। चारों ओर घुसपैठियों को नागरिक के रूप में स्थापित करने वाले मीर जाफरों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति है। देश के कोने-कोने में फैले इस नेटवर्क की जडों तक पहुंचे बिना आतंकवाद का सफाया असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है।

मजहबी तालीम के नाम पर काफिरों को नश्तनाबूत करने हेतु तैयार की जा रही जमातें अब अपने असली मंसूबों को सफल करने में जुट गईं हैं। इन सबके पीछे विदेशियों की जहरीली सोच, हथियार निर्माताओं का व्यवसायिक हित और विश्तारवादियों की महात्वाकांक्षाओं जैसे कारक लम्बे समय से सक्रिय हैं। दूसरों पर प्रहार करने वालों पर जब उन्हीं की बिल्ली म्याऊं करने लगती है तब वे अपनी मनमर्जी से गुण्डागर्दी पर उतर आते हैं। दूसरे देशों की सीमाओं में घुसकर अपने दुश्मन की समाप्त कर देते हैं परन्तु जब कोई दूसरा देश ऐसा करता है तो फिर कूटनीतिक पहल, शान्ति का राश्ता, बातचीत की आवश्यकता के उपदेश दिये जाने लगते हैं। पाकिश्तान के बयानों से बेनकाब हो चुके अमेरिका और ब्रिटेन की बौखलाहट अब देखने काबिल है।

ऐसा ही हाल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का है जो चन्द देशों की इच्छापूर्ति का हथियार बनना बैठा है। वीटो के नाम पर चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका किसी भी प्रश्ताव या निर्णय को पारित नहीं होने दे सकते हैं। दुनिया में शान्ति और सुरक्षा के लिए उत्तरदायी संस्था में भी जब केवल पांच देशों की तानाशाही ही चल रही है तो फिर न्याय के नाम पर अन्याय को पोषित करने वाली परम्परा का अंत कैसे होगा, यह एक यक्ष प्रश्न बनकर खडा है। चारों ओर आतंक का हाहाकार मचा है। दूसरे विश्वयुध्द के बाद वर्तमान में ही सर्वाधिक युध्दों की स्थिति निर्मित हुई है। रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलिश्तीन, चीन-ताइवान, भारत-चीन, भारत-पाकिश्तान, भारत-बंगलादेश, अजरबैजान-आर्मेनिया जैसे प्रत्यक्ष युध्दों का दावानल ठहाके लगा रहा है तो वैश्विक व्यापार को अवरुध्द करने हेतु लाल सागर, अदन की खाडी, अरब सागर जैसे इलाकों में इस्लामिक आतंकियों की ललकार गूंज रही है।

मजहब के नाम पर हो रही खुली गुण्डागर्दी को नश्तनाबूत करना बेहद जरूरी है। यहूदियों पर प्रहार करने वाले हमास ने हिन्दुओं पर हमला कराने के लिए पाकिश्तान का दौरा किया, जेहाद के नाम पर सुल्तान बनने का ख्वाब देखने वालों ने जहरीली तकरीरें की और सम्पन्न देशों ने दिया उन्हें संरक्षण-सहयोग-सुविधा का त्रिचरणीय तोहफा। ऐसे में स्वर्ग के बाद देवभूमि पर आतंकी कहर की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस हेतु सरकारों, सुरक्षा बलों और आम आवाम को बेहद सावधान रहने की जरूरत है अन्यथा कभी भी, कोई भी असुखद घटना मूर्त रूप ले सकती है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

शादी पाकिस्तान में और नागरिकता भारत की

संदीप सृजन

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया तो एक नया मुद्दा सार्वजनिक हो उठा। भारत की महिलाओं की पाकिस्तान में शादी हुई और वे भारत में रह कर बच्चे पैदा कर रही हैं।

यह मुद्दा तब और जटिल हो जाता है जब इन महिलाओं के बच्चे या पति पाकिस्तानी नागरिक रखते हैं। इस दौरान, कई ऐसी महिलाएं सामने आईं जिनके पास भारतीय पासपोर्ट था लेकिन उनके पति या बच्चे पाकिस्तानी नागरिक थे। इन मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या ऐसी व्यवस्था भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

हम देखे कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक कारणों से दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी रही है। हाल के दिनों में, एक नया मुद्दा चर्चा में आया है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संरचना के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

यह मुद्दा है पाकिस्तान में शादी करने वाली भारतीय महिलाओं का भारत की नागरिकता बनाए रखना। कुछ लोग इसे केवल व्यक्तिगत पसंद या पारिवारिक मामला मान सकते हैं लेकिन गहरे विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और भारत की संप्रभुता पर गंभीर सवाल उठाता है।

भारत का संविधान एकल नागरिकता की व्यवस्था करता है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति एक साथ दो देशों का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, भारतीय नागरिकता प्राप्त करने, निर्धारित करने और रद्द करने के नियम स्पष्ट हैं।

फिर भी, हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां भारतीय महिलाएं, जिन्होंने पाकिस्तान में शादी की है, भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं। कुछ मामलों में, ऐसी महिलाएं अपने पाकिश्तानी पति और बच्चों के साथ भारत में रह रही हैं या बार-बार भारत-पाकिश्तान के बीच यात्रा कर रही हैं।

पाकिश्तान के साथ भारत का रिश्ता हमेशा से संवेदनशील रहा है। सीमा पर तनाव, आतंकवादी हमले, और जासूसी के मामले दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाते हैं। ऐसे में, भारतीय नागरिकता रखने वाली महिलाएं, जो पाकिश्तानी नागरिकों से विवाहित हैं, संभावित रूप से जासूसी या आतंकवादी गतिविधियों के लिए इश्तेमाल हो सकती हैं। यह केवल एक आशंका नहीं है, बल्कि हाल के कुछ मामलों ने इस खतरे को उजागर किया है।

उदाहरण के लिए, सीमा हैदर का मामला चर्चा में रहा है। सीमा, जो पाकिश्तान की नागरिक थीं, ने नेपाल के राश्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और एक भारतीय नागरिक सचिन मीणा से शादी की।

हालांकि सीमा ने दावा किया कि उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया और भारत में रहना चाहती हैं लेकिन उनके अवैध प्रवेश और पाकिश्तानी पृष्ठभूमि ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। ऐसे मामलों में यह सवाल उठता है कि क्या ऐसी शादियां केवल व्यक्तिगत प्रेम कहानियां हैं, या इनके पीछे कोई सुनियोजित साजिश हो सकती है।

कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि ऐसी शादियां भारत में "स्लीपर सेल" बनाने का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि ये दावे पूरी तरह सत्यापित नहीं हैं लेकिन यह सच है कि भारत की उदार नागरिकता नीतियों का दुरुपयोग संभव है, विशेष रूप से, पाकिश्तान जैसे देश के साथ, जहां आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं. ऐसी शादियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

भारत का नागरिकता कानून इस तरह के मामलों को संबोधित करने में अपर्याप्त प्रतीत होता है। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, यदि कोई भारतीय नागरिक किसी विदेशी से शादी करता है तो उनकी नागरिकता स्वतः रद्द नहीं होती। हालांकि, यदि कोई भारतीय नागरिक किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार करता है, तो उनकी भारतीय नागरिकता समाप्त हो जाती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब ऐसी महिलाएं पाकिस्तान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं करतीं और भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं।

पाकिश्तान में भी नागरिकता कानून पक्षपाती हैं। वहां, यदि कोई पुरुष विदेशी महिला से शादी करता है तो उस महिला को पाकिश्तानी नागरिकता मिल सकती है लेकिन यदि कोई पाकिश्तानी महिला विदेशी पुरुष से शादी करती है तो उसके पति को नागरिकता नहीं मिलती।

इसके अलावा, भारत में लंबे समय तक रहने वाले पाकिश्तानी नागरिकों को नागरिकता देने की प्रक्रिया भी जटिल है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), 2019 के तहत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिश्तान से आए गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता दी जा सकती है लेकिन यह प्रावधान मुस्लिम प्रवासियों पर लागू नहीं होता।

इससे उन मामलों में भेदभाव का आरोप लगता है, जहां पाकिश्तानी मुस्लिम पुरुष भारतीय महिलाओं से शादी करते हैं।

ऐसी शादियां भारत की जनसांख्यिकी को प्रभावित कर सकती हैं। यदि पाकिश्तानी नागरिक भारत में बसने लगते हैं, तो यह दीर्घकालिक रूप से भारत की सामाजिक और राजनीतिक संरचना को बदल सकता है। कुछ लोग इसे "सांस्कृतिक जिहाद" या "लव जिहाद" के रूप में भी देखते हैं, हालांकि ये शब्द विवादास्पद हैं और इन्हें सावधानी से इश्तेमाल करना चाहिए।

इस गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए भारत को अपनी नीतियों और कानूनों में सुधार करना होगा। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि यदि कोई भारतीय नागरिक पाकिश्तान जैसे संवेदनशील देश के नागरिक से शादी करता है तो उनकी नागरिकता की समीक्षा की जाएगी।

शादी के बाद एक निश्चित अवधि के भीतर विदेशी नागरिकता स्वीकार न करने पर भारतीय नागरिकता रद्द करने का प्रावधान हो सकता है। ऐसी शादियों और संबंधित व्यक्तियों की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। विशेष रूप से, सीमा क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों में रहने वाले लोगों की जांच होनी चाहिए।

सामाजिक श्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग ऐसी शादियों के संभावित खतरों को समझ सकें। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है जो पाकिश्तान की सीमा से सटे हैं।

भारत और पाकिश्तान के बीच नागरिकता और विवाह से संबंधित मुद्दों पर स्पष्ट द्विपक्षीय समझौते होने चाहिए। इससे दोनों देशों के नागरिकों की स्थिति स्पष्ट होगी और दुरुपयोग की संभावना कम होगी। अवैध प्रवेश या संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सीमा हैदर जैसे मामलों में त्वरित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए।

शादी पाकिश्तान में और नागरिकता भारत की रखने का मुद्दा केवल व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है; यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। हालांकि हर मामला साजिश का हिस्सा नहीं हो सकता, लेकिन इसकी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत को अपनी नागरिकता नीतियों को और सख्त करना होगा, ताकि इस तरह के दुरुपयोग को रोका जा सके। साथ ही, सामाजिक जागरूकता और खुफिया निगरानी को बढ़ाकर इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। यह मुद्दा न केवल भारत की सरकार, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए एक चेतावनी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी उदारता और सहिष्णुता का दुरुपयोग न हो, और हमारा देश सुरक्षित और एकजुट रहे। इस दिशा में त्वरित और प्रभावी कदम उठाना समय की मांग है।

देर से ही सही, जातिगत जनगणना : दूरदर्शी फैसला

एस सुनील

जातिगत जनगणना के केंद्र सरकार के फैसले के अलग अलग पहलुओं पर विचार करने से पहले एक पंक्ति का यह निष्कर्ष बता देना जरूरी है कि यह एक दूरदर्शी फैसला है, जिसे पर्याप्त विचार विमर्श के बाद देशहित को ध्यान में रख कर किया गया है।

यह भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई तात्कालिक फैसला नहीं है और राजनीतिक लाभ हानि अपनी जगह है परंतु इसका राजनीति से कोई लेना देना नहीं है। ऐसा नहीं है कि राजनीति को ध्यान में रख कर या किसी विपक्षी पार्टी का एजेंडा छीन लेने या किसी बड़ी घटना से ध्यान भटकाने के लिए यह फैसला हुआ है। यह एक सोचा समझा फैसला है, जो देश के पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समूहों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता और उनके संकल्प को प्रतीकित करता है।

सर्वप्रथम इस बात पर विचार करें कि इस निर्णय की क्या आवश्यकता थी। वास्तविकता यह है कि दशकों तक देश में सरकार चलाने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस आवश्यकता की अनदेखी की थी। ध्यान रहे जितने आवश्यक कार्यों की अनदेखी कांग्रेस सरकारों ने की है उनको पूरा करने की ऐतिहासिक भूमिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निभानी है। चूंकि कांग्रेस की सरकारों ने समय पर यह फैसला नहीं किया इसलिए सरकार ने आगे बढ़ कर यह फैसला किया है।

सरकार पिछड़े और वंचित समूहों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चला रही है लेकिन ज्यादातर योजनाओं को लेकर नीतियां अनुमानों के आधार पर बनी हैं। किसी को पता नहीं है कि वास्तव में किस जातीय समूह की कितनी आबादी है। न तो जातियों की वास्तविक संख्या पता है और न उनकी आर्थिक, सामाजिक स्थिति का पता है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2011 की जनगणना में सामाजिक, आर्थिक गणना के जरिए जातियों और उनकी आर्थिक स्थिति के आंकड़े जुटाए थे। लेकिन पता नहीं किस दबाव या किस तुष्टिकरण की सोच में उसने आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए। आज कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी पिछड़ी जातियों के हितों की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी सरकार ने 2011 में जुटाए जातियों के आंकड़े क्यों नहीं सार्वजनिक किए या उन आंकड़ों के आधार पर नीतिगत फैसले क्यों नहीं किए इसका कोई जवाब उनके पास नहीं है। असल में यह कांग्रेस की सोच का दोहरापन है। आखिर कांग्रेस की सरकारों ने ही 10 साल तक मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू होने से रोके रखा और उसके बाद जब जाति गणना कराई तो उसके आंकड़े नहीं जारी किए। इसका अर्थ है कि कांग्रेस को कभी भी पिछड़ी जातियों, दलित व आदिवासी समुदाओं और वंचित समूहों का भला करना ही नहीं था। उसको सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी थी।

जातियों के आंकड़े नहीं होने और आर्थिक स्थिति की ठोस जानकारी नहीं होने की वजह से सभी जातियों का आरक्षण अनुमानित आधार पर दिया गया है। अब जातिगण गणना होगी और सरकार के सामने वास्तविक आंकड़े होंगे तो उनके आधार पर आरक्षण का फैसला होगा।

मिसाल के तौर पर अंग्रेजों के जमाने में 1931 में हुई जनगणना के मुताबिक बिहार में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी थी, लेकिन बिहार सरकार ने जनगणना कराई तो पिछड़ी जातियों की आबादी 63 फीसदी निकली। सौ साल पुराने आंकड़े और ताजा आंकड़े में 11 फीसदी का अंतर है। जाहिर है राष्ट्रीय श्तर पर भी अलग अलग जातियों की संख्या में अंतर होगा। संख्या कम हुई होगी या ज्यादा हुई होगी। अगर वास्तविक आंकड़ा सामने होगा तो उस आधार पर आरक्षण दिया जाएगा। ऐसे ही आरक्षण के प्रावधान में क्रीमी लेयर का प्रावधान किया गया है।

यह सीमा तय की गई है कि आठ लाख रुपए से ज्यादा की सालाना आय वाली पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। यह सीमा पिछड़ी जातियों की आर्थिक स्थिति के वास्तविक आंकड़ों के बगैर तय की गई है।

अब सामाजिक, आर्थिक गणना में उनकी आर्थिक स्थिति की वाश्तविकता सामने आएगी तो उस आधार पर क्रीमी लेयर की सीमा भी तय होगी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ पिछड़ी या दलित जातियों के लिए होगा, बल्कि सामान्य वर्ग की जातियों को भी 10 फीसदी आरक्षण मिल रहा है।

उनके लिए भी आठ लाख रुपए की सालाना आय की सीमा तय की गई है। उनकी आबादी और उनकी आर्थिक स्थिति के आंकड़े सामने आएंगे तो आरक्षण का प्रतिशत और क्रीमी लेयर के बारे में फैसला वैज्ञानिक तरीके से किया जा सकेगा।

जातिगत जनगणना से जाति की संख्या और उसकी आर्थिक स्थिति की जानकारी तो मिलेगी ही साथ ही यह भी पता चलेगा कि अभी तक की आरक्षण की व्यवस्था का लाभ किन जातियों को कितना मिला है।

उन आंकड़ों के आधार पर यह पता चल पाएगा कि कौन सी जाति आरक्षण की व्यवस्था से ज्यादा सशक्त हुई है और कौन सी जातियां आरक्षण की व्यवस्था का लाभ लेने से वंचित रह गई हैं। वास्तविक आंकड़ों के आधार पर ज्यादा जरूरतमंदों के लिए अतिरिक्त आरक्षण की व्यवस्था की जा सकेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का वादा किया था। इस वादे को पूरा करने का काम भी शुरू हो गया है।

इससे उन जातियों की पहचान होगी, जिनको आरक्षण की ज्यादा जरुरत है। चूंकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े हर जनगणना में जुटाए जाते हैं इसलिए उनके वर्गीकरण का एक ठोस आधार है। कांग्रेस की सरकारों की अनदेखी के कारण पिछड़ी जातियों के बारे में ऐसी कोई ठोस जानकारी नहीं है। जातिगत गणना के आंकड़े आने के बाद सरकार अपेक्षाकृत ज्यादा कमजोर जातियों को सशक्त बनाने का फैसला वैज्ञानिक तरीके से कर पाएगी। इसलिए यह समझ लेने की जरुरत है कि यह कोई मामूली फैसला नहीं है। यह बहुत बड़ा, ऐतिहासिक, दूरदर्शी और देश के करोड़ों करोड़ लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने वाला निर्णय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह निर्णय किया है तो निश्चित रूप से इसके सभी पहलुओं और आयामों पर विचार करने के उपरांत ही यह निर्णय किया है। उनकी सोच के अनुरूप इस निर्णय के अनुपालन से देश में बहुत सी चीजें बदल सकती हैं।

सरकार अगली जनगणना के साथ ही जातियों की गिनती भी कराएगी। उसके साथ ही वर्षों से लंबित राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर यानी एनआरसी की परियोजना को भी लागू कर देना चाहिए। जब सरकारी कर्मचारी नागरिकों की गिनती करेंगे, उनकी जाति व धर्म पूछेंगे, उनके रोजगार, काम धंधे, संपत्ति की जानकारी जुटाएंगे, उनके घरों की गिनती करेंगे तो साथ साथ कुछ और जानकारी जुटाई जा सकती है।

उनके और उनके पूर्वजों के जन्मस्थान की जानकारी भी पूछी जा सकती है ताकि देश के अलग अलग हिस्सों में रह रहे बाहरी नागरिकों की पहचान की जा सके। ध्यान रहे यह भारत की एक बड़ी समस्या है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद जब पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान शुरू की गई है तो पता चल रहा है कि हजारों विदेशी लोग किसी न किसी तरीके से भारत में रह रहे हैं।

अगली जनगणना में पाकिस्तानियों के साथ साथ बांग्लादेश और म्यांमार के घुसपैठियों की भी पहचान सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि उन्हें देश से निकाला जा सके। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे प्राथमिक आवश्यकता है।

इसके साथ ही सरकार सबकी पहचान के लिए एक नागरिकता नंबर का नियम भी बना सकती है। आधार, पैन और इपिक यानी वोटर आई कार्ड के अलग अलग नंबर की जगह एक नंबर नागरिकों को दिया जाना चाहिए और उसके साथ उसकी पूरी बायोमीट्रिक डिटेल्स होनी चाहिए।

ऐसा कर दिया गया तो देश के अंदर के तमाम स्लीपर सेल्स को खत्म किया जा सकेगा और देश की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

जहां तक राजनीति की बात है तो वह इस निर्णय की प्राथमिकता नहीं है। यह अलग बात है कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां इसे राजनीतिक नजरिए से ही देख रही हैं क्योंकि उनकी आदत है हर चीज में राजनीति करने की। वे देश की सुरक्षा के मामले में जब राजनीति कर सकते हैं तो उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है! जातिगत गणना को राजनीति के नजरिए से देखने वालों को शायद पता नहीं है कि मतदान के दौरान देश की पिछड़ी जातियों की पहली पसंद भाजपा ही है।

पिछले लोकसभा चुनाव में यानी 2024 में भाजपा को पिछड़ी जाति के 43 फीसदी मतदाताओं ने वोट किया, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 19 फीसदी ओबीसी वोट मिला। देश की 43 फीसदी पिछड़ी आबादी ने भाजपा को इसलिए वोट दिया क्योंकि उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा है कि वे उनके उत्थान में प्राण पण से जुटे हैं।

उन्होंने ऐसे काम किए, जो आजादी के बाद सात दशक में नहीं हुए थे। प्रधानमंत्री ने पिछड़ी जाति आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। सबसे बड़ी संख्या में पिछड़ी जातियों के मंत्री बनाए। सैनिक स्कूलों में पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराया और यहां तक की मेडिकल के दाखिले के लिए होने वाली नीट की परीक्षा में केंद्र सरकार का जो कोटा होता है उसमें भी ओबीसी आरक्षण का प्रावधान किया। ये ऐसे काम हैं, जिनका लाभ पिछड़ी जातियों को मिल रहा है।

इसलिए वे भाजपा के साथ जुड़ रही हैं। दूसरी ओर कांग्रेस हो या दूसरी प्रादेशिक पार्टियां वे एक परिवार की बेहतरी के लिए काम कर रही हैं। तभी पिछड़ी जातियों का उनके ऊपर भरोसा नहीं बन रहा है।

(लेखक दिल्ली में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त विशेष कार्यवाहक अधिकारी हैं।)

पहलगाम त्रासदी : क्या हो अमन की राह?

राम पुनियानी

कश्मीर के बैसरन में 26 सैलानियों को बेरहमी से क़त्ल कर दिया गया और कई अन्य घायल हुए। इस त्रासदी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह दावा किया गया है कि हत्यारे आतंकवादी पाकिश्तान की लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेसिसटेंस फोर्स' के थे।

इस संगठन ने इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी भी ली है। हमलावरों ने लोगों का धर्म पूछा और फिर बेरहमी से उन्हें अपनी गोलियों का निशाना बनाया। मरने वालों में सैयद आदिल शाह नामक व्यक्ति भी था जो पर्यटकों को घोड़ों पर बिठाकर सैर करवाता था।

इस कांड के तुरंत बाद हेलीकाप्टरों के पहुँचने तक हमले के शिकार लोगों की मदद मुख्यतः मुसलमानों ने की। घायलों का इलाज मुस्लिम डॉक्टरों के एक दल ने किया। पूरी कश्मीर घाटी में बंद रहा और 'हिंदू मुस्लिम भाई भाई' के नारे गूंजते रहे। घटना के समय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में थे।

वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश वापिस आए लेकिन घटनास्थल पर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में शामिल होने बिहार चले गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी नहीं की क्योंकि वे उस समय बिहार में थे और वहां मंच पर भाजपा के सहयोगी दल के नेता नीतीश कुमार के साथ हंसी-ठिठोली करते नजर आए। सभी विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया, जो बिलकुल उचित कदम था।

प्रधानमंत्री का यह रवैया गुजरात के गोधरा में ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद के उनके रवैये के एकदम विपरीत था। तब वे घटना के आधे घंटे के अंदर ही घटनास्थल की ओर रवाना हो गए थे और उन्होंने यह निर्देश दिया था कि शवों को अहमदाबाद ले जाया जाए जहां उन्हें एक जुलूस में शहर की सड़कों पर घुमाया गया।

पहलगाम हमले के बाद से सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर ऐसे संदेश पोस्ट किए जा रहे हैं जिनमें आतंकवादियों को 'मुस्लिम राक्षसों' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आतंकियों ने पर्यटकों की हत्या करने के पहले उनका धर्म पूछा इस बात को मुस्लिमों के प्रति घृणा फैलाने का मुख्य आधार बनाया जा रहा है। मुसलमानों को कठघरे में खड़ा करने का सिलसिला काफी पहले से चल रहा है।

गाय और लव जिहाद जैसे मुद्दों के बहाने मुसलमानों की लिंचिंग होती रही हैं। उनका नाम पता लगने के बाद उन्हें मकान बेचने या किराए पर देने से इंकार कर दिया जाता है। उन्हें सिर्फ उनके धर्म की वजह से नौकरी नहीं दी जाती है। सरकार और गोदी मीडिया ने आतंकियों के मुस्लिम होने की बात का जिक्र तो खूब किया मगर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और गुप्तचर संस्थाओं की असफलता के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। यह पुलवामा की घटना के बाद के रवैये जैसा ही था। तब भी आतंकी हमले को लेकर जनाक्रोश को भड़काने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई लेकिन इस मुद्दे की जरा सी भी चर्चा नहीं की गई कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद आरडीएक्स वहां कैसे पहुंचा।

प्राप्त समाचारों के अनुसार इस बात के संकेत थे कि हमला हो सकता है। ऐसे में सरकार ने उसे रोकने के लिए कौन-से कदम उठाए? बैसरन पहुंचने के पहले सेना की बहुत सी निगरानी चौकियों को पार करना पड़ता है। फिर आतंकी वहां पहुंचने में कैसे सफल हो गए?

त्रासदी के बाद स्थानीय मुसलमानों, घोड़े वालों, रिक्शा चालकों और होटलों के मालिकों (जो सभी मुसलमान थे) ने पर्यटकों की मदद की और फैसला लिया कि वे उनसे एक रूपया भी नहीं लेंगे। इसके विपरीत एयरलाइन्स ने आपदा को अवसर में बदलते हुए किराए में अनाप-शनाप बढ़ोत्तरी कर दी। कई कश्मीरी विद्यार्थियों को उनकी होस्टलों में प्रताड़ना झेलनी पड़ी कई से हॉस्टल खाली करने को कहा गया। देश के विभिन्न भागों में कश्मीरियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भारत सरकार ने सिंधु नदी के जल के बंटवारे पर भारत-पाक संधि को स्थगित करने की घोषणा की। इस पर पाकिस्तानी नेतृत्व ने कहा कि यह युद्ध की घोषणा के समान है। टकराव और संघर्ष के काले बादल आसमान में साफ नजर आ रहे हैं।

आतंकवाद कश्मीर की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस समस्या की जड़ें बहुत पुरानी हैं। भारत में कश्मीर के विलय की संधि के कई प्रावधानों को कमजोर कर दिया गया। इससे कश्मीरियों में असंतोष की शुरूआत हुई। शेर-ए-कश्मीर शेख अब्दुल्ला को भी यह ठीक नहीं लगा।

उनके मन में यह विचार आने लगा कि क्या कश्मीर का भारत में विलय करना एक गलती थी। यह असंतोष पूरी तरह कश्मीरियत पर आधारित था। कश्मीरियत वेदांत परंपराओं, बौद्ध मूल्यों और सूफी शिक्षाओं के मिलन से बनी संस्कृति है।

पाकिस्तान ने इस असंतोष को हवा दी। इसने हिंसक रूप ले लिया और हालात और जटिल हो गए। 1990 के दशक में अल कायदा की ताकत बढ़ गई और उसके जैसे अन्य तत्वों ने इस विशुद्ध कश्मीरी प्रतिरोध को साम्प्रदायिक स्वरूप दे दिया। कश्मीरी पंडितों को प्रताड़ित किया गया और वे घाटी छोड़ने को मजबूर हुए।

उस समय भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी। जिस दौर में पंडितों का कश्मीर से पलायन हुआ समय राज्य का कामकाज भाजपा समर्थक जगमोहन संभाल रहे थे। उन्होंने पंडितों को कश्मीर से जाने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाईं।

स्थानीय लोगों द्वारा पंडितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संरक्षण देने के प्रयासों को नाकाम कर दिया गया। निश्चित ही अटल बिहारी वाजपेयी का 'इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत' का नारा कश्मीर में शांति सुनिश्चित करने की सर्वोत्तम नीति हो सकता है। लेकिन ज्यादातर समय कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित रही है। बल्कि वहां पिछले कई बरसों से बहुमत की इच्छाओं का गला घोंटा जा रहा है। पहले भी कश्मीर में निष्पक्ष चुनाव नहीं होते थे, और आज भी वही स्थिति है।

मोदी के सत्ता में आने के बाद शुरूआती दिनों में नोटबंदी लागू की गई और दावा किया गया कि इससे आतंकवाद काबू में आएगा। नोटबंदी पूरी तरह असफल रही। उसके बाद अनुच्छेद 370 को हटाया गया और उसके साथ ही कश्मीर का दर्जा राज्य से घटाकर केन्द्रशासित प्रदेश कर दिया गया और कहा गया कि इससे आतंकवाद की समस्या समाप्त हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि आतंकवाद खात्मे की ओर है जिससे पूरे देश के पर्यटक कश्मीर आने लगे।

इस बीच कश्मीरी पंडितों और अन्यों के खिलाफ छिटपुट आतंकी कार्यवाहियां होती रहीं जिनसे कश्मीरी परेशान होते रहे। अब चूंकि कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश है इसलिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सुरक्षा व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं है। पिछली बार अमित शाह ने एक उच्च श्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई लेकिन उससे अब्दुल्ला को दूर रखा गया। कानून व्यवस्था पूरी तरह से केन्द्र सरकार के हवाले है!

आतंकवाद को कैसे समाप्त किया जा सकता है? स्थानीय लोगों को राज्य के कामकाज से अलग रखना आतंकवाद का मुकाबला करने में एक बड़ी बाधा है। सुरक्षा तंत्र का पहले पुलवामा में और अब पहलगाम में असफल होना, यानि बार बार असफल होना, गंभीर चिंता का विषय है। कश्मीर भारत का अंग है और वहां अमन-चैन रहे, यह पूरे देश का लक्ष्य होना चाहिए। और इसमें वाजपेयी की जम्हूरियत की प्रमुख भूमिका होगी।

कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त करना आज की जरूरत है। कश्मीर के नागरिकों को, जो हमारे साथी और मित्र हैं, ऐसे माहौल की दरकार है जहां पर्याप्त सुरक्षा हो और पर्यटक बिना किसी भय के वहां आ सकें और घूम सकें। पर्यटन स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी का प्रमुख साधन है और कश्मीर के मामले में कोई भी फैसला लेते समय इस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

आज देश पूरी मजबूती से सरकार के साथ खड़ा है और सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को सुझावों को पूरी गंभीरता से ले। किसी ने ठीक ही कहा है युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है। वह तो अपने आप में एक समस्या है।

अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

नेपाल सीमा से सटे जिलों के सौ से ज्यादा मदरसे सील

सबसे ज्यादा श्रावस्ती के 68 मदरसे हुए सील

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शनिवार को भी जारी रहा। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अब तक महाराजगंज में 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं, जबकि सिद्धार्थनगर में 21 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे मिले हैं। वहीं सर्वाधिक कार्रवाई श्रावस्ती जनपद में हुई है। यहां अब तक 68 अवैध मदरसे सील किये गये हैं, साथ ही 164 के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की गई है। वहीं पीलीभीत में भी एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। प्रशासन ने इसमें शामिल 6 लोगों के नाम नोटिस जारी किया है।

महाराजगंज में 33 में से 32 पर हुई कार्रवाई – महाराजगंज जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि कुल 33 अवैध धार्मिक स्थल और मदरसे चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 19 मदरसे हैं, जिनमें से 4 के कब्जे हटाये गये हैं, 14 कब्जों के सापेक्ष 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसी प्रकार 10 अवैध धार्मिक स्थलों पर 67(1) की कार्रवाई की गई है। ऐसे ही सरकारी जमीन पर बनाए गये चार मजारों में से दो को हटा दिया गया है। एक में 67(1) की कार्रवाई की गई है, जबकि एक को वन विभाग की ओर से नोटिस दी गई है।

सिद्धार्थनगर में 21 से सभी 21 अवैध कब्जों पर हुई कार्रवाई- सिद्धार्थनगर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें चार अवैध धर्मस्थल और 17 अवैध मदरसे शामिल हैं। जिला प्रशासन ने 20 अतिक्रमणों को नोटिस जारी की है, जबकि एक अतिक्रमण को हटा दिया गया है।

बलरामपुर में बंद कराए गये 16 अवैध मदरसे

बलरामपुर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक 34 अवैध मदरसे, धार्मिक स्थल और मजार चिह्नित किये गये हैं। इनमें से 6 से कब्जा हटाया गया है। 16 मदरसे बंद करा दिये गये हैं और 12 को नोटिस दी गई है। एक स्थान पर ईदगाह बना हुआ है, जिसपर कार्रवाई जारी है।

पीलीभीत में 6 लोगों के खिलाफ नोटिस जारी

पीलीभीत जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अबतक केवल एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। जिसमें 6 लोगों को नोटिस दे दी गई है।

श्रावस्ती में 68 मदरसे सील, 164 पर बेदखली की कार्रवाई

श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे 68 मदरसों को सील कर दिया गया है, जबकि 164 मदरसों पर बेदखली की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त भिनगा तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध धर्मस्थल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी से पर्यटकों को बचाने के लिए इंतजाम...ताजमहल के पास लगी ये खास मशीन करा रही ठंडक का अहसास

आगरा, एजेंसी। आगरा में भीषण गर्मी से पर्यटकों को राहत देने के लिए नगर निगम ने पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत पुरानी मंडी स्थित शाहजहां गार्डन के गेट के पास लगे पोल पर मिस्ट स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। इससे ताजमहल देखने आने वाले पर्यटकों को पानी की बौछार ठंडक का अहसास करा रही है।

करीब 20 फीट ऊंचे पोल पर लगाए गए स्प्रिंकलर से करीब 15 से 20 मीटर के दायरे में लोगों को राहत मिलने लगी है। सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम ने बताया कि प्रोजेक्ट कम लागत में तैयार किया गया है। इसे अन्य जगह भी लगाया जाएगा। आधा हॉर्सपावर की मोटर से पानी की बौछार हो रही है। कबाड़ से प्राप्त पोल, ड्रम, एंगल और लोहे की चादर का प्रयोग किया है। इसमें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से साफ होकर आने वाले पानी का उपयोग किया जा रहा है।

कमलेश हत्याकांड में वांछित शेरू पकड़ाः दोनों पैरों में लगी पुलिस की गोली

शाहजहांपुर , एजेंसी। शाहजहांपुर चौक कोतवाली के मोहल्ला अजीजगंज में कमलेश की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी शेरू से रात पुलिस की मुठभेड़ हो गई। 25 हजार का इनामी शेरू पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया है। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

29 अप्रैल को ट्रांसपोर्ट पर कार्य करने वाला कमलेश अपने घर को लौट रहा था। रास्ते में विवाद का बीच बचाव करने पर आरोपी शेरू ने उसके चेहरे पर तलवार से वार करते हुए तमंचे से गोली मार दी थी।

बचाने आए भाई जितेन्द्र और अखिलेश को भी गोली मारकर घायल कर दिया था। लखनऊ लेकर जाते समय कमलेश की मौत हो गई थी। अगले दिन परिजनों ने अजीजगंज चौराहे पर शव रखकर जाम लगाकर पुलिस के खिलाफ विरोध जताया था। तब पुलिस ने मामले में आरोपी रामनिवास और सुमित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही थी। एसपी ने आरोपी शेरू पर 25 हजार का इनाम भी घोषित किया था। शनिवार की रात मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने बरेली मोड़ के पास आरोपी को घेर लिया। शेरू ने तमंचे से पुलिस पर फायर किया। इस बीच मुठभेड़ में पुलिस की गोली दोनों पैरों में लगने पर आरोपी घायल हो गया। मुठभेड़ में कांस्टेबल दीपेंद्र चौधरी भी घायल हो गया। सीओ सिटी पंकज पंत ने बताया कि आरोपी पर पांच मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, बोले-

जातिगत जनगणना की घोषणा ने उड़ा दी है सपा अध्यक्ष की नींद

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश के सत्ता में आने पर गोमती रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा लगवाने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष को पिछड़ों और दलितों को ठगने की पुरानी आदत है।

राजभर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के फैसले ने अखिलेश की नींद उड़ा दी है। वह भीतर से हिल गए हैं और उन्हें पिछड़ा और दलित वोट बैंक छिटकने का डर सताने लगा है।

राजभर समाज को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं- राजभर ने कहा कि जब तक सपा अध्यक्ष सत्ता में रहे, उन्हें कभी महाराजा सुहेलदेव की याद नहीं आई। अब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजभर समाज को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समाज अब उनके झांसे में नहीं आएगा।

राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि जो अपने पिता और चाचा का नहीं हो सका, वो राजभर समाज का क्या होगा? सपा अध्यक्ष ने न तो बसपा को छोड़ा, न जयंत चौधरी को, उनकी फितरत केवल ठगने की है। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश के साथ रह चुके हैं और उनकी कार्यशैली को अच्छे से जानते हैं।

जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक जाएगा

उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना के बाद अखिलेश का वोट बैंक खिसक जाएगा। इसलिए, वह अब राजभर समाज को धोखा देने की कोशिश में जुट गए हैं। राजभर ने समाजवादी पार्टी पर दलितों को गुलाम समझने का भी आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री और सीएम योगी ने जताया शोक; लिखा- बाबा शिवानंद की साधना महान प्रेरणा

वाराणसी , एजेंसी। योग गुरु बाबा शिवानंद के आश्रम में उनके अंतिम दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर शोक संवेदना व्यक्त की। ट्वीट में उन्होंने लिखा कि- योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था।

योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था।

पीएम ने आगे लिखा कि- शिवानंद बाबा का शिवलोक प्रयाण हम सब काशीवासियों और उनसे प्रेरणा लेने वाले करोड़ों लोगों के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं इस दुःख की घड़ी में उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग इंसान का दावा- 129 साल के योग गुरु बाबा शिवानंद संयम, योग और सादगी की प्रतिमूर्ति थे। उनकी सादगी ने अविभाजित बंगाल के शिवानंद को काशी में बाबा शिवानंद बनाया। दुनिया के सबसे बुजुर्ग इंसान होने के बाद भी उनकी फुर्ती हर किसी को हैरान कर देती थी।

सीएम योगी ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की- सीएम योगी ने लिखा कि- योग के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान देने वाले काशी के प्रख्यात योग गुरु पद्म श्री स्वामी शिवानंद जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! आपकी साधना एवं योगमय जीवन संपूर्ण समाज के लिए महान प्रेरणा है। आपने अपना पूरा जीवन योग के विस्तार में समर्पित कर दिया। बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल अनुयायियों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ? शांति!

129 साल के योग गुरु बाबा शिवानंद संयम, योग और सादगी की प्रतिमूर्ति थे। उनकी सादगी ने अविभाजित बंगाल के शिवानंद को काशी में बाबा शिवानंद बनाया। दुनिया के सबसे बुजुर्ग इंसान होने के बाद भी उनकी फुर्ती हर किसी को हैरान कर देती थी।

भक्तों ने किया नमन- आश्रम से जुड़े लोगों का दावा है कि वह देश के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे। उन्हें 2022 में पद्मश्री से नवाजा गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें सम्मानित किया था। योग गुरु शिवानंद योग साधना को अपना प्राथमिकता देते और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करते थे। वह महाकुंभ में भी स्नान के लिए पहुंचे थे।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पहले ही साल टोल से कमाएगा 60 करोड़

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे लगभग तैयार है। जून या जुलाई से इसे शुरू किया जा सकता है। इसी के साथ टोल वसूली के लिए यूपीडा ने एजेंसी की तलाश शुरू कर दी है। यूपीडा के आंकलन के मुताबिक पहले ही वर्ष से दो मुख्य लेन और सात रैम्प वाला ये एक्सप्रेसवे 60 करोड़ रुपये कमाएगा। दोपहिया वाहनों को अधिकतम 140 रुपये और कारों को 285 रुपये देना होगा। इसके लिए जिस एजेंसी का चयन किया जाएगा, उसे टोल शुल्क वसूली के अलावा चार एडवांस श्रेणी की एम्बुलेंस, चार सेफ्टी वाहन और चार पेट्रोलिंग वाहनों का संचालन भी करना होगा। 91.35 किलोमीटर लंबे गोरखपुर एक्सप्रेसवे की अनुमानित लागत 7,283.28 करोड़ रुपये है। यह परियोजना इस एक्सप्रेसवे की लागत प्रति किलोमीटर के आधार पर अभी तक सबसे ज्यादा होगी। इससे गोरखपुर, आंबेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ जिले के लोग सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे।

हर श्रेणी के लिए मासिक पास की भी व्यवस्था- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे पर मासिक पास की दरें भी निर्धारित कर दी गई हैं। दोपहिया और तीन पहिया वाहनों का मासिक पास अधिकतम 2280 रुपये में बनेगा। वहीं कार आदि को इसके लिए 4560 रुपये देना होंगे। हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए 7050 रुपये तय किए गए हैं। बस और ट्रक के लिए अधिकतम 13430 रुपये देने होंगे। भारी निर्माण वाहनों के लिए मासिक पास की दर 21390 रुपये रखी गई है। ओवरसाइज वाहनों को 27910 रुपये देना होगा। खास बात ये है कि इस एक्सप्रेस वे पर मिलने वाले टोल में सबसे ज्यादा हिस्सा भारी निर्माण की श्रेणी में आने वाले वाहनों का होगा। कुल टोल संग्रह में से इस श्रेणी से मिलने वाला टोल 67 फीसदी होगा। दूसरे नंबर पर कार-जीप जैसे वाहन होंगे, जिनकी हिस्सेदारी 37 फीसदी होगी। तीसरे नंबर पर 16 फीसदी के साथ ट्रक व बस और चौथे नंबर पर 11 फीसदी के साथ मिनी बस जैसे वाहन होंगे।

सेहत की बात: पढ़ाई का दबाव भी बच्चों को दे रहा पेट दर्द, एसजीपीजीआई में हुए अध्ययन को जेजी ओपन जर्नल में मिला स्थान

लखनऊ , एजेंसी। बच्चों पर पढ़ाई का बढ़ता बोझ उनके पेट दर्द की भी वजह बन रहा है। लखनऊ स्थित संजय गांधी पीजीआई में हुए अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। इसके मुताबिक 39.3 प्रतिशत बच्चों में पेट दर्द की वजह तनाव और 22.3 फीसदी में तनाव का कारण पढ़ाई का दबाव था। पीजीआई के पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में हुआ यह अध्ययन जेजी ओपन जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में अप्रैल 2018 से मार्च 2020 के दौरान विभाग में आए 3973 बच्चों को शामिल किया गया। इनमें से 479 को पेट दर्द की समस्या थी। इन बच्चों की औसत आयु 12.3 वर्ष थी। इनमें से 60 फीसदी बालक और 40 फीसदी बालिकाएं थीं। इन बच्चों की विस्तृत जांच की गई। 83.7 फीसदी का अल्ट्रासाउंड भी किया गया, लेकिन दर्द की विशेष वजह सामने नहीं आई। डॉ. जयेंद्र सीतारामन, डॉ. उज्जवल पोद्दार, डॉ. अंशु श्रीवास्तव, डॉ. मोहनाक सेन शर्मा और डॉ. सुरेंद्र कुमार याच्छा ने यह अध्ययन किया है।

बच्चों में तनाव के अन्य कारण भी

अध्ययन के दौरान बच्चों में तनाव के अन्य कारण भी मिले। 6.8 फीसदी मामले में अभिभावकों का दबाव वजह निकली। 4.1 फीसदी भाई-बहन का प्रदर्शन और 2.1 फीसदी बच्चों में तनाव सहपाठियों की छेड़छाड़ की वजह से था।

63 फीसदी में नहीं मिली दर्द की ठोस वजह

अध्ययन में पेट दर्द की समस्या वाले करीब 63 फीसदी बच्चों में इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया। 15 फीसदी में कार्यात्मक अपच, 17.4 फीसदी में चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम (आईबीएस) और 4.6 फीसदी में पेट दर्द के एक से ज्यादा कारण थे। बच्चों ने उल्टी, पानी जैसा मल और कब्ज की समस्या भी बताई।

ट्यूशन पढ़ने जा रही छात्रा को किया अगवा

आगरा , एजेंसी। आगरा के अछनेरा कस्बे के गांव की सातवीं की छात्रा को शुक्रवार की दोपहर ट्यूशन पढ़ने जाते वक्त गांव के ही तीन युवक बाइक से जबरन अगवा कर ले गए। छेड़खानी की। छात्रा के शोर मचाने पर शाम को सिकंदरा के पास छोड़कर भाग निकले। अछनेरा थाने में तीन युवकों के विरुद्ध अपहरण का केस दर्ज किया गया है।

पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि बिटिया सरकारी स्कूल में पढ़ती है। ट्यूशन पढ़ने के लिए दोपहर साढ़े तीन बजे पास के गांव जा रही थी। जब देर तक ट्यूशन से नहीं लौटी तो शिक्षक के पास जाकर पता किया। उन्होंने बताया कि छात्रा ट्यूशन नहीं पहुंची है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

इस बीच शाम को बेटी ने राहगीर के मोबाइल से सिकंदरा क्षेत्र में होने की जानकारी दी। बताया कि गांव के ही 3 युवक उसे जबरन उठा ले गए थे। उसके शोर मचाने पर छोड़ दिया। वे अपनी बाइक भी छोड़कर भागे हैं। पुलिस ने बाइक बरामद कर ली। पीड़िता ने बताया कि तीनों ने उससे छेड़खानी की। वह उसे कहीं और ले जाना चाहते थे।

रकम कैसे भी हो हजम, ठग कर रहे हर वो जतन, खाते होल्ड होने पर हाईकोर्ट पहुंचे खाताधारक

अलीगढ़। साइबर ठगी के जरिये रकम ठगने के साथ-साथ अब साइबर ठग रकम हजम करने के लिए हर जतन करने से बाज नहीं आ रहे। अब नया दाव खेला है, जिसमें केरला के दो ऐसे खाताधारकों ने अलीगढ़ साइबर थाने के खिलाफ याचिका दायर की है, जिनके खातों में अलीगढ़ में दर्ज साइबर ठगी के मुकदमों की रकम पहुंची थी। उस रकम को साइबर पुलिस की रिपोर्ट पर होल्ड करा दिया गया था। हालांकि साइबर पुलिस ने हाईकोर्ट को पूरे विवरण के साथ जवाब भेज दिया है। मगर इस प्रक्रिया के चलते ठगी की रकम वापसी में जरूर विलंब हो रहा है।

एसएचओ साइबर थाना सुरेंद्र सिंह बताते हैं कि इन दो प्रकरणों में साइबर ठगों ने तीसरी-चौथी लेयर तक के वे खाते होल्ड कराए थे, जिनमें रकम पहुंची थी। इसी में से दो खाता धारक केरला हाईकोर्ट पहुंचे, जिनमें से एक के खाते में एक लाख व दूसरे के खाते में पचास हजार रुपये पहुंचे। हालांकि रकम होल्ड कराने की सीधी प्रक्रिया हमारे स्तर से नहीं होती, बल्कि गृह मंत्रालय के साइबर पोर्टल से होती है। मगर साइबर ठगों ने रकम हजम करने के लिए अलीगढ़ साइबर थाना पुलिस पर परेशान करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी यहां से जवाब भेज दिया गया है। अब जल्द निर्णय होने के संकेत हैं। इसके बाद ही रकम वापस हो सकेगी।

इन दो मुकदमों में होल्ड कराई रकम

पिछले वर्ष अक्टूबर माह में शहर के निरंजनपुरी इलाके निजी कंपनी में सेवारत इंजीनियर युवती से डिजिटल अरेस्ट कर 16 लाख रुपये ठगे गए थे। इसी तरह इस वर्ष जनवरी माह में इंडोनेशिया आई शिक्षिका से शेयर ट्रेडिंग निवेश के नाम पर 52 लाख रुपये ठगे गए। दोनों मामलों में ठगी गई रकम जिन खातों में पहुंची, उसके तीसरी-चौथी लेयर के खातों की रकम होल्ड कराई गई। उनमें कुछ खाते केरला के भी थे।

साइबर एक्सपर्ट ले रहे क्रिप्टो करंसी की जांच का प्रशिक्षण

साइबर ठगी की रकम को साइबर ठग क्रिप्टो करंसी में बदल रहे हैं। ये अब अधिकांश साइबर ठगी के मामलों में सामने आ रहा है। इसे लेकर गृह मंत्रालय द्वारा जयपुर में देश भर के साइबर एक्सपर्टों को क्रिप्टो करंसी का प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। जिसमें अलीगढ़ से भी दो लोग वहां गए हैं, जिन्हें ये बताया जा रहा है कि ठगी के मामलों में रकम से अगर क्रिप्टो करंसी व यूएसडीटी खरीदी जा रही है तो हमें विवेचना किस तरह पूरी करनी है।

फैंस अब नहीं देख सकेंगे लाइव टेलीकास्ट

लो भइया...बैन हो गया आईपीएल !

नई दिल्ली, एजेंसी। जो हुआ वो तो होना ही था. आईपीएल पर बैन लगना था, सो लग गया. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आईपीएल मैचों का लाइव प्रसारण सरहद के उस पार बंद हो गया है. पड़ोसी देश के लोग अब आईपीएल मुकाबलों का लुत्फ नहीं उठा पा रहे. यहां हमारा मतलब पाकिस्तान और उसके लिए स्टैंड से है. रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान ने आईपीएल को बैन कर दिया है. हालांकि, इसे लेकर आशंका तभी से थी, जब भारत में पाकिस्तान सुपर लीग बैन हो गया था. ऐसे में सीधे शब्दों में कहें तो पाकिस्तान का आईपीएल को बैन करना भारत के पीएसएल को लेकर उठाए कदम का असर है और कुछ

नहीं. भारत-पाकिस्तान के रिश्ते तो पहले से ही खराब थे. 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने उस आग में और घी डालने का काम किया है. उस घटना के बाद भारत में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के सोशल मीडिया अकाउंट बंद करने से लेकर पीएसएल का प्रसारण रोकने जैसे कई कदम उठाए गए. इंडियन ब्राडकास्टर्स फैनकोड, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने क्क्ररु का प्रसारण तत्कार प्रभाव से रोक दिया. बाबर आजम जैसे स्टार पाकिस्तानी क्रिकेटर का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद हो गया. भारत की ओर से हुए उसी एक्शन का अब पाकिस्तान की ओर से रिएक्शन आया है, जिसके तहत उसने आईपीएल को बैन किया है.

पाकिस्तान में इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के आधिकारिक पार्टनर टैपमैड ने 3 मई को आईपीएल का प्रसारण रोकने की घोषणा कर दी. टैपमैड के इस ऐलान के बाद ये साफ हो गया कि पाकिस्तानी फैंस को अब आईपीएल मैचों का लाइव एक्शन देखे बिना ही रहना होगा. भारत में पीएसएल के आधिकारिक पार्टनर फैनकोड ने पहलगाम हमले के 2 दिन बाद यानी 24 अप्रैल को ही मैचों का प्रसारण रोक दिया था. पाकिस्तान ने उसके एक हफ्ते बाद अपना कदम उठाया है. उसके आईपीएल को बैन करने की खबर है. हालांकि, ये बैन कब खत्म होगा इस बारे में अभी कुछ भी साफ नहीं है.

मेड्रिड ओपन टेनिसः

आर्यना सबालेंका ने जीता 20वां खिताब, फाइनल में कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराया

मैड्रिड, एजेंसी। सबालेंका ने 2021 और 2023 में मैड्रिड में खिताब जीता था। इस तरह से उन्होंने पेट्रा क्वितोवा के टूर्नामेंट रिकॉर्ड की बराबरी की। ब्रिस्बेन और मियामी के बाद यह सबालेंका का इस वर्ष का तीसरा खिताब भी है। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना तीसरा और करियर का 20वां खिताब जीता। सबालेंका ने पहले सेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया और काजा मैजिका क्ले कोर्ट पर अमेरिकी खिलाड़ी को 6-3, 7-6 (3) से हराया। सबालेंका ने 2021 और 2023 में मैड्रिड में खिताब जीता था। इस तरह से उन्होंने पेट्रा क्वितोवा के टूर्नामेंट रिकॉर्ड की बराबरी की। ब्रिस्बेन और मियामी के बाद यह सबालेंका का इस वर्ष का तीसरा खिताब भी है। गॉफ अगर इस मुकाबले में जीत हासिल कर लेती तो वह विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच जाती लेकिन सबालेंका के सामने उनकी एक नहीं चली।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने चौथे मैच में जोरदार संघर्ष किया, लेकिन अंततः ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार गई। भारत के लिए नवनीत कौर (35) और लालरेमसियामी (59) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने ग्रेस स्टीवर्ट (2), जेड स्मिथ (36) और ग्रेटा हेस (42) के गोल की बदौलत करीबी मुकाबले में जीत हासिल की। पहले क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने पहला गोल करके 1-0 की बढ़त हासिल की। दूसरे मिनट में ही सफलता मिल गई, जब ग्रेस स्टीवर्ट ने गोल किया। भारत ने क्वार्टर के बाकी बचे समय में स्कोर बराबर करने की पूरी कोशिश की, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सका। दूसरे क्वार्टर में भारत ने शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर का सफलतापूर्वक बचाव किया और इस अवधि के अंत में एक और सेट-पीस खतरे का सामना किया, जिससे हाफटाइम तक अंतर एक गोल तक सीमित रहा। भारत ने तीसरे क्वार्टर में मुकाबले में वापसी की, जब नवनीत ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। यह राहत कुछ समय के लिए ही रही, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने तुरंत जवाब दिया और 36वें मिनट में जेड स्मिथ के फील्ड गोल ने उन्हें बढ़त दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने दो और पेनल्टी कॉर्नर जीते, इससे पहले ग्रेटा हेस के 42वें मिनट के गोल ने उनकी बढ़त को फिर से बढ़ाया। भारत ने अंतिम क्वार्टर में अंतर कम किया, जब लालरेमसियामी ने खेल के अंत में गोल किया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय आक्रमण को रोककर जीत हासिल की। कप्तान सलीमा टेटे और उप-कप्तान नवनीत कौर की अगुआई वाली भारत की 26 सदस्यीय टीम ने अब तक दो बार ऑस्ट्रेलियाई सीनियर टीम के साथ खेला है, और जोशीले प्रदर्शन के बावजूद, उन्हें पर्थ में मेजबान टीम से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई सीनियर टीम के खिलाफ मैच से पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ भी दो दोस्ताना मैच खेले, लेकिन दृढ़ निश्चयी प्रदर्शन के बावजूद जीत दर्ज नहीं कर पाई।

सीएसके को बचाने का आखिरी रास्ता

धोनी को वैभव सूर्यवंशी चाहिए...

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में क्या कोई सीएसके के बाहर होने से बचने का रास्ता है? जवाब है नहीं. लेकिन, इस टीम को हाशिए पर जाने से जरूर बचाया जा सकता है. सीएसके को अगले सीजन के लिए तैयार जरूर किया जा सकता है. और, उसके लिए धोनी की पीली जर्सी वाली टीम को जरूरत है वैभव सूर्यवंशी की. अब आप कहेंगे कि वैभव सूर्यवंशी तो सीएसके को तब मिलेंगे, जब राजस्थान रॉयल्स उन्हें छोड़ेगी या रिलीज करेगी. बात भी सही है. आईपीएल 2025 में वैभव सूर्यवंशी तो राजस्थान रॉयल्स की आन-बान-शान बने हैं. लेकिन, हमारे कहने का मतलब वैभव सूर्यवंशी से नहीं उनके जैसे खिलाड़ियों से है. धोनी को वैभव सूर्यवंशी ही नहीं, उनके जैसे खिलाड़ी चाहिए. वो खिलाड़ी जो पूरी तरह से बेखौफ हो. जिनकी पावरहिटिंग गजब की हो. और, जो गेंदबाज को नहीं गेंद को देखकर अपना शॉट खेलते हों. धोनी को सीएसके को बचाने के लिए वैभव सूर्यवंशी जैसी खूबियों वाले खिलाड़ी चाहिए. अब इसकी भी वजह है. वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट खेलने की विस्फोटक मिजाज और अंदाज की बात चली ही है, तो इन आंकड़ों से भी दो- चार हो लीजिए. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में सर्वाधिक 209.71 की स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज हैं. सिर्फ 35 गेंदों पर शतक जड़कर वो आईपीएल में ऐसा करने वाले वो सबसे तेज भारतीय हैं. वो आईपीएल इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं. आईपीएल 2025 में पहले 4 मुकाबले खेलने के बाद ही वैभव सूर्यवंशी के खाते में 16 छक्के दर्ज हैं. जबकि सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा 14 छक्के जड़ने वाले शिवम दुबे ने 11 मैच खेले हैं. चेन्नई सुपर किंग्स के खाते में सिर्फ 2 जीत दर्ज है. यानी 9 मुकाबलों में उन्हें हार मिली है. इस खराब प्रदर्शन के चलते ही वो आईपीएल 2025 के पॉइंट्स टेबल में ना सिर्फ सबसे आखिरी 10वें पायदान पर हैं.

इन वजहों से धोनी को 'वैभव सूर्यवंशी' की तलाश?

आईपीएल या टी-20 क्रिकेट का जिक्र छिड़ते ही मन में जो पहला ख्याल आता है, वो होते हैं छक्के-चौके. आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स इसी में बुरी तरह से फ्लॉप दिखी है. वो आईपीएल 2025 में सबसे कम छक्के लगाने वाली टीम बनकर उभरी है. इस सीजन पावरप्ले में उसने उतने भी छक्के नहीं लगाए, जितने वैभव सूर्यवंशी ने उस फेज में अकेले जड़ दिए हैं. अब इन हालातों से उबारने के लिए जाहिर है सीएसके को कुछ अगर चाहिए तो वो वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी ही हैं. भले ही उनकी उम्र वैभव सूर्यवंशी जैसे 14 साल की ना हो, मगर उनके खेलने का मिजाज और अंदाज बिल्कुल वैसा ही हो.

स्मृति मंधाना बनी 100 वनडे खेलने वाली 7वीं भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिकोणीय सीरीज का चौथा मुकाबला भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला जा रहा है. श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. ये मैच भारतीय खिलाड़ी स्मृति मंधाना के लिए खास है, क्योंकि ये उनका 100वां वनडे मैच है. 100 वनडे मैच खेलने वाली स्मृति मंधाना 7वीं भारतीय महिला क्रिकेटर हैं, उनसे पहले 6 खिलाड़ियों ने इस आंकड़े को छुआ है. पूर्व कप्तान मिताली राज महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा वनडे मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं, उन्होंने अपने 23 साल के करीयर में कुल 232 मैच खेले हैं. उसके बाद 204 मैच खेलने वाली झूलन गोस्वामी हैं,

दोनों ही भारतीय महिला क्रिकेटर्स ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास ले लिया है. तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स हैं, जिन्होंने 191 मैच खेले.

भारत के अधिक ओडीआई मैच खेलने वाली टॉप 10 महिला क्रिकेटर्स

मिताली राज- 232 मैच
झूलन गोस्वामी- 204 मैच
हरमनप्रीत कौर- 144 मैच
अंजुम चोपड़ा- 127 मैच
अमिता शर्मा- 116 मैच
दीप्ति शर्मा- 104 मैच
स्मृति मंधाना- 100 मैच
नीतू डेविड- 97 मैच
नूशीन खडीर- 78 मैच
रुमेली धार- 78 मैच

100 वनडे के आलावा स्मृति ने 7 टेस्ट और 148 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं. अपने 100वें मैच से पहले उन्होंने 4288 रन बनाए हैं, इसमें 10 शतकीय और 30 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं. 7 टेस्ट मैचों में उन्होंने 629 रन बनाए हैं. टेस्ट में उनके नाम 2 शतक और 3 अर्धशतक हैं.

148 टी20 मुकाबलों में स्मृति मंधाना ने 3761 रन बनाए हैं, इस फॉर्मेट में उन्होंने 30 अर्धशतक ज? हैं.

त्रिकोणीय सीरीज में टॉप पर टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले मैच में श्रीलंका और दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका को हराया था. 2 में 2 जीत के साथ उसके 4 अंक हैं और त्रिकोणीय सीरीज की अंक तालिका में टीम टॉप पर है

मैं इस हार का दोष लेता हूं...

RCB आरसीबी से हारकर टूटे एमएस धोनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आरसीबी द्वारा मिले 214 रनों का पीछा करते हुए रवींद्र जडेजा (77*) के साथ जब आयुष म्हात्रे (94) क्रीज पर थे, तब सीएसके की जीत की संभावना 75 प्रतिशत थी लेकिन म्हात्रे के आउट होने के बाद मैच पलट गया. डेवाल्ड ब्रेविस के आउट होने के बाद एमएस धोनी क्रीज पर आए, लेकिन वह भी टीम को जीत नहीं दिला पाए. अंतिम 3 गेंदों में सीएसके को 6 रन चाहिए थे, लेकिन यश दयाल ने शानदार यॉर्कर गेंदों से इसे डिफेंड कर लिया. मैच के बाद सीएसके कप्तान एमएस धोनी ने माना कि उनकी टीम में अधिकांश बल्लेबाज पैडल शॉट मारने में असहज थे, जबकि आधुनिक युग में बल्लेबाजों को इसके खेलना आना चाहिए. उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हम पीछे रह गए. उन्होंने ये भी माना कि उनसे भी गलती हुई, जो बड़े शॉट्स नहीं खेल पाए. धोनी ने कहा, मुझे लगा कि मुझे कुछ और शॉट खेलने चाहिए थे और दबाव कम करना चाहिए था, इसलिए मैं इस हार का दोष लेता हूँ. डेथ ओवरों में शेफर्ड बेहतरीन थे, हम जो भी गेंदबाजी कर रहे थे, वह अधिकतम रन बनाने में सक्षम था. हमें यॉर्कर का अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता है. अक्सर ऐसा होता है कि जब बल्लेबाज सेट होने लगते हैं और गेंद उनके बल्ले पर अच्छे से आती है, तो आपको यॉर्कर पर निर्भर रहना पड़ता है.

कोहली के आरसीबी से 300 छक्के पूरे

बेंगलुरु, एजेंसी। आईपीएल में शनिवार को आरसीबी ने सीएसके को 2 रन से हरा दिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट कोहली ने 5 छक्के लगाकर 62 रन बनाए। वे एक टीम से 300 टी-20 छक्के लगाने वाले पहले प्लेयर बने। कोहली ने आईपीएल में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। आरसीबी के रोमारियो शेफर्ड ने 14 गेंद पर फिफ्टी लगाई। उन्होंने खलील अहमद के एक ओवर में 33 रन भी बनाए। यह किसी भी ष्ट्स्य बॉलर का सबसे महंगा ओवर रहा। कोहली आईपीएल में 8वीं बार एक सीजन में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले प्लेयर बने। विराट कोहली ने चेन्नई के खिलाफ 5 छक्के लगाकर 62 रन की पारी खेली। उन्होंने पारी में पहला सिक्स लगाते ही आरसीबी के लिए 300 छक्के पूरे कर लिए। वे किसी एक फ्रेंचाइजी से 300 टी-20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बने। कोहली के बाद आरसीबी के लिए क्रिस गेल ने 91 मैचों में 263 छक्के लगाए हैं।

14 गेंद पर तूफानी फिफ्टी जड़कर शेफर्ड ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में शनिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच एक रोमांचक मुकाबला खेला गया. इस मैच में आरसीबी ने आखिरी गेंद पर 2 रन से मुकाबला जीता. आरसीबी की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए रोमारियो शेफर्ड ने इतिहास रच दिया. शेफर्ड ने तूफानी फिफ्टी जड़ी और 14 गेंद में अर्धशतक लगाकर इतिहास रचा.

शेफर्ड आखिरी में बल्लेबाजी के लिए आए. एक समय लग रहा था कि आरसीबी 200 के आंकड़े को पार नहीं कर पाएगी. लेकिन शेफर्ड ने मोर्चा संभाला. उन्होंने 19वें ओवर में खलील अहमद को 33 रन जड़ दिए. अपनी पारी में शेफर्ड ने 14 गेंदों में 53 रन बनाए. इसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे.

आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी...

13 - यशस्वी जायसवाल (आरआर) बनाम केकेआर, 2023

14 - केएल राहुल (पीबीकेएस) बनाम डीसी, 2018

14 - पैट कमिंस (केकेआर) बनाम एमआई, 2022

14 - रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी) बनाम सीएसके, 2025*

ऐसे रहा मुकाबला

आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 214 रनों का लक्ष्य रखा था.